राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 › अंक - 304 | रायपुर | बुधवार 05 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

आज उपराष्ट्रपति राज्योत्सव के समापन कार्यक्रम में होंगे उपस्थित

31 दिसंबर तक आधार से लिंक नहीं किया तो 1 जनवरी 2026 से निष्क्रिय हो जाएगा आपका पैन कार्ड

बिलासपुर ट्रेन हादसा : मालगाड़ी से टकराई पैसेंजर ट्रेन, दर्जनों मौते

रेलवे ने किया मुआवजे का ऐलान

लोकशक्ति।

संक्षेपः छत्तीसगढ़ में बड़ा ट्रेन हादसा हो गया है। एक पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी में टक्कर हो गई है। इस हादसे में कई लोगों के मरने की खबर है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार की शाम को बड़ा रेल हादसा हुआ है। बिलासपुर-कटनी सेक्शन में पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी में सीधी और भीषण टक्कर हो गई। यह दुर्घटना शाम लगभग 4 बजे के आसपास उस समय हुई, जब पैसेंजर ट्रेन विपरीत दिशा से आ रही थी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि यात्री ट्रेन के कई डिब्बे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए और कुछ डिब्बे मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी के भी कई वैगन पटरी से उतर गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव कर्मी भी तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया।

पीएनबी घोटाला : भारत प्रत्यर्पण पर फिलहाल रोक! मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में दी फैसले को चुनौती

नई दिल्ली

13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (PNB) घोटाला मामले में भारत को बड़ा झटका लगा है। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के फैसले को चुनौती दे दी है, जिससे उसके भारत लाए जाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लग गई है।

चोकसी ने 30 अक्टूबर को बेल्जियम के 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' (सुप्रीम कोर्ट) में यह अपील दायर की। उसने एंटवर्प की अपीलीय अदालत के 17 अक्टूबर के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को 'लागू करने योग्य' माना गया था।

बिहार के दरभंगा से परिवारवाद पर शाह का हमला

राहुल-तेजस्वी नहीं बनेंगे पीएम-सीएम

एजेंसी

दरभंगा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी का नाम लेते हुए परिवारवाद पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो नेता अपने बेटा-बेटी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, वे युवा, गरीबों, किसानों और जीविका दीदी की चिंता नहीं कर सकते हैं। दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, लालू-राबड़ी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। मैं दोनों को कहना चाहता हूं कि न लालू-राबड़ी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा, न सोनिया गांधी का बेटा प्रधानमंत्री।

कमजोर वर्ग के जीवन में सुधार एनडीए सरकार ही ला सकती है

गृह मंत्री ने कहा कि जो नेता अपनी संतान के भविष्य के लिए राजनीति करते हैं, क्या वे जाले के युवाओं की चिंता करेंगे? क्या वे जीविका दीदियों, किसानों, गरीबों और मछुआरों के जीवन में सुधार ला सकते हैं? उन्होंने कहा कि इन वर्गों के उत्थान की चिंता सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर सकते हैं.

सीएम योगी का बड़ा निर्णय, चावल मिलों को नॉन हाइब्रिड धान कुटाई में 1 प्रतिशत रिकवरी छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने धान कुटाई को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य के अन्नदाता किसानों और राइस मिल संचालकों को बड़ी राहत प्रदान की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लिए गए इस फैसले के तहत नॉन हाइब्रिड धान की कुटाई पर राइस मिलों को 1 प्रतिशत रिकवरी छूट दी जाएगी। सरकार का यह कदम न केवल कृषि क्षेत्र को मजबूती देगा, बल्कि रोजगार और निवेश में भी वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 13 से 15 लाख किसानों और 2000 से अधिक राइस मिल संचालकों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त योगी सरकार इस राहत पैकेज के अंतर्गत 167 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति भी प्रदान करेगी, जिससे राइस मिल उद्योग को उत्पादन लागत में राहत मिलेगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। सरकार का मानना है कि 1 प्रतिशत रिकवरी छूट से सरकारी स्तर पर धान खरीद और चावल प्रसंस्करण की प्रक्रिया और तेज होगी। इससे पीडीएस हेतु चावल की उपलब्धता प्रदेश के भीतर ही सुनिश्चित की जा सकेगी और अन्य राज्यों से चावल की रैक मंगाने की आवश्यकता कम होगी।

'देश का अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा उत्तराखंड', रजत जयंती पर बोले धामी

एजेंसी

देहरादूनः .÷..पतवार चलाते जाएंगे, मंजिल आएगी.. आएगी..÷ इन शब्दों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने करीब एक घंटे से ज्यादा चले संबोधन को समाप्त किया। उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती वर्ष को लेकर आहुत विधानसभा के विशेष सत्र में उन्होंने यह भाषण दिया। इस मौके पर उन्होंने जहां उत्तराखंड की स्थापना को लेकर चले आंदोलन और संघर्ष की पृष्ठभूमि का जिक्र किया वहीं पिछली और मौजूदा सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आज अनेक क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है।

शहीद आंदोलनकारियों को किया नमन – सीएम धामी ने अपने संबोधन में उत्तराखंड की स्थापना को लेकर शुरू किए गए आंदोलन में मातृशक्ति की भूमिका का भी उल्लेख किया। एक सिंतबर 1994 मसूरी गोलीकांड और दो अक्तूबर 1994 को रामपुर तिराहा मुजफ्फरनगर में पुलिस की बर्बरता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस गोलीकांड पर लोगों की तीव्र प्रतिक्रिया हुई। और बाद में आखिरकार एक अलग राज्य का सपना साकार हुआ। आंदोलनकारियों द्वारा दी गई शहादत ने राज्य आंदोलन को नई दिशा दी और प्रत्येक उत्तराखंडी के हृदय में पृथक राज्य की मांग के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाया। शहीद आंदोलनकारियों का बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा और उत्तराखंड के गौरवशाली इतिहास का अमिट अध्याय है।

विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सूचकांक में नंबर वन – उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड आज अनेक क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि नीति आयोग द्वारा वर्ष 2023-24 के 'विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सूचकांक' में देवभूमि उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।÷

बेरोज़गारी दर में कमी आई

राज्य में GEP इंडेक्स तैयार करते हुए इकोसिस्टम का समग्र आकलन करने वाला उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन चुका है। यह हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि राज्य की बेरोज़गारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है। वित्तीय प्रबंधन सूचकांक में भी उत्तराखंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान पहुंचे सिख श्रद्धालु, फूल बरसाकर किया गया स्वागत

एजेंसी

अप्रैल में पहलगाम हमले के बाद पहली बार सिख श्रद्धालुओं के जत्थे ने पाकिस्तान में कदम रखा है। सिख श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के मौके पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने फूलों की बौछार करके अटारी-वाघा बॉर्डर पर स्वागत किया। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अब भी कम नहीं हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने बौखलाहट में गोलीबारी शुरू कर दी थी। दो दिन में ही वह घुटनों पर आ गया और फिर युद्धविराम के लिए गिड़गिड़ाने लगा। यह जत्था गुरुद्वारा ननकाना साहिब, पंजा साहिब, डेरा साहिब और करतारपुर साहिब समेत कई पवित्र स्थलों के दर्शन करेगा और 13 नवंबर को भारत लौटेगा।

श्री अकाल तख्त साहिब के

सेना प्रमुख जनरल ने की ड्रोन व युद्धक तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी लगातार सैन्य तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। बीते दिनों कई सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके सेना प्रमुख ने अब ड्रोन तैयारियों, प्रशिक्षण में नवाचार समेत विभिन्न विषयों का निरीक्षण किया।

दरअसल थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने खड़गा कोर का दौरा किया है। यहां उन्होंने ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें युद्धक क्षमता को सुदृढ़ करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी पहलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। गौरतलब है आधुनिक युद्धों के तौर तरीके व तकनीक लगातार बदल रही है। अब पारंपरिक युद्धों की भांति जंग केवल बंदूक व तोपों तक सीमित नहीं रह गई है। आज के युद्धों में ड्रोन व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा रोबोट और डेटा वॉरफेयर ने भी इन्फैंट्री को नई दिशा दी है। इसकी एक मजबूत तस्वीर खड़गा कोर में देखने को मिलती है। यहां ड्रोन जैसी तकनीक को व्यापक स्तर पर उपयोग में लाया जा चुका है। सेनाध्यक्ष ने जहां यहां ड्रोन तैयारियों की जानकारी ली वहीं लॉजिस्टिक्स और प्रशासन में उन्नत तकनीकी समाधान अपनाने, पूर्व सैनिकों व परिवारों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा ऑपरेशन राहत के अंतर्गत मानवीय सहायता गतिविधियों की प्रशंसा की।

थलसेना प्रमुख ने यह भी रेखांकित किया कि खड़गा कोर द्वारा मिलिटरी-सिविल फ्यूजन को प्रोत्साहन देकर सस्टेनेबल सिक्योरिटी की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है। यहां मौजूद सभी अधिकारियों और जवानों के साथ बातचीत के दौरान, जनरल द्विवेदी ने उनकी पेशेवर दक्षता, निष्ठा और राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कोर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना भी की।

देश | 3 तारीख को नतीजे

महाराष्ट्र में नगर परिषद,नगर पंचायत चुनाव की घोषणा, दो दिसंबर को वोटिंग

मुंबई: एजेंसी

महाराष्ट्र में 246 नगर पालिका परिषदों और 42 नगर पंचायतों में 2 दिसंबर को मतदान होगा। इसकी जानकारी राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने दी है। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 246 नगरपरिषद में चुनाव होंगे। नगरपरिषद के अध्यक्ष का भी चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि आज महानगरपालिका,जिला परिषद के चुनाव की घोषणा नहीं होगी। वाघमारे ने कहा कि 147 नगरपंचायत में से 42 नगरपंचायत के लिए चुनाव होंगे। बाकी 105 नगर पंचायत का कार्यकाल अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

10 नवंबर से शुरू होगा नामांकन

दिनेश वाघमारे ने बताया कि 10 नवंबर से नामांकन शुरू होगा। 2 दिसंबर को वोटिंग होगी। 3 दिसम्बर को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद और नगरपंचायत के लिए 1 करोड़ 60 लाख मतदाता,13155 मतदान केंद्र होंगे। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से चुनाव होंगे।

26 नवंबर को चुनाव चिन्ह का आवंटन – नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर निर्धारित की गई है। नामांकन की जांच 18 नवंबर को की जाएगी। बिना अपील वाले मामलों में 21 नवंबर तक नामांकन वापस लिये जा सकेंगे। वहीं अपील वाले मामलों में 25 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव चिन्ह का आवंटन 26 नवंबर को होगा।

मतदाताओं से लिया जाएगा डिक्लेरेशन – उम्मीदवार अध्यक्ष पद पर 15 लाख और सदस्य पद के लिए 12 लाख कर सकेंगे। एक मतदान मोबाइल एप को चुनाव आयोग जारी करेगा। इस मोबाइल एप में उम्मीदवारों और मतदाताओं की पूरी जानकारी होगी। डुप्लीकेट मतदाताओं को रोकने के लिए एक टूल बनाया गया है। जिसमें वोटर जब वोट देने जाएगा तो डबल स्टार आएगा। इससे मतदान अधिकारी को उस मतदाता तक पहुंचकर उन्सकी जानकारी मिलेगी। ऐसे मतदाता से डिक्लेरेशन लिया जाएगा ताकि वो दूसरी जगह मतदान न करे।

वाघमारे ने बताया कि 1 करोड़ 60 लाख कुल मतदाता हैं। मतदान केंद्र 13,155 हैं। अध्यक्ष पद के लिए खर्च 15 लाख किए जा सकेंगे। जबकि सदस्य पद के लिए खर्च 12 लाख किया जा सकेगा। राज्यभर में चुनाव प्रक्रिया के लिए 288 चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। जबकि 66,775 चुनाव कर्मचारी तैनात किए जाएंगे।

ग्रेटर अफगानिस्तान' के नक्शे पर बढ़ा बवाल, अफगान मंत्री ने पाक के बड़े हिस्से को बताया अपना

काबुल एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले से ही जारी तनाव के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने आग में घी डालने का काम किया है। इस वीडियो में अफगानिस्तान के उप-आंतरिक मंत्री मोहम्मद नबी ओमारी एक सरकारी कार्यक्रम में 'ग्रेटर अफगानिस्तान' का नक्शा दिखाते नजर आ रहे हैं। इस विवादित नक्शे में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और गिलगित-बाल्टिस्तान के इलाकों को भी अफगानिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। यह कार्यक्रम 28 अक्टूबर को अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में आयोजित किया गया था, जो पाकिस्तान की सीमा के बेहद करीब है। वीडियो में दिख रहा है कि सैन्य वर्दी पहने दो बच्चे मंत्री ओमारी को एक ढाल (शील्ड) भेंट करते हैं। इसी ढाल पर 'ग्रेटर अफगानिस्तान' का यह विवादास्पद नक्शा बना हुआ है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि दोनों देश फिलहाल युद्धविराम का पालन कर रहे हैं। तालिबान ने कुछ हफ्ते पहले दोहा वार्ता के बाद भी यह साफ कर दिया था कि वह डूरंड रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं मानता। अफगानिस्तान का तर्क है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद अभी भी अनसुलझा है, जबकि पाकिस्तान का दावा है कि यह मुद्दा बहुत पहले सुलझ चुका है और डूरंड रेखा ही असली सीमा है।

क्या है डूरंड लाइन? – डूरंड लाइन 1893 में ब्रिटिश भारत और उस समय के अफगानिस्तान के बीच खींची गई एक सीमा रेखा है। इसका नाम ब्रिटिश अधिकारी सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड के नाम पर पड़ा, जिन्होंने इस समझौते पर बातचीत की थी।

अफगानिस्तान क्यों करता है विरोध? – अफगानिस्तान आज भी इस सीमा रेखा का पुरजोर विरोध करता है। उसका तर्क है कि यह सीमा ब्रिटिशों द्वारा जबरदस्ती उन पर थोपी गई थी। इस रेखा के खिंचने से सदियों से एक साथ रहने वाली पश्तून जनजातियां दो हिस्सों में बंट गईं; आधे पाकिस्तान (तत्कालीन ब्रिटिश भारत) में और आधे अफगानिस्तान में रह गए। अफगान लोग इस कृत्रिम विभाजन को कभी भी पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाए, जो आज भी दोनों देशों के संबंधों में एक प्रमुख कांटा बना हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई का बदला हो सकती है। पाकिस्तान ने हाल ही में अपने देश से 10 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को जबरन बाहर निकाल दिया है। कहा जा रहा है कि तालिबान ने इसी का बदला लेने के लिए इस पुराने जिन्न को फिर से बाहर निकाला है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

एजेंसी। वाशिंगटन अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज़्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं। पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ़ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हज़ार से ज़्यादा उड़ानें देर से चलीं।

सोमवार को व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं। शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने

चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं। हवाई यातायात नियंत्रक को भी बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन

लोकनृत्य, गीत और पारंपरिक वाद्य-यंत्रों की प्रस्तुति से उत्सव स्थल गूंजा 'छत्तीसगढ़िया' रंग में

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला मुख्यालय खैरागढ़ के राजा फतेह सिंह खेल मैदान में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री राकेश पांडेय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज सर्वांगीण प्रगति की दिशा में तेजी से अग्रसर है। पिछले 25 वर्षों में आम जनजीवन में व्यापक परिवर्तन आया है, अब छत्तीसगढ़ की पहचान देश के विकसित राज्यों में की जाती है।

श्री पांडेय ने कहा कि यह वर्ष हम सबके लिए विशेष महत्व का है, क्योंकि हम छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की रजत जयंती मना रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर प्रदेशवासियों का सपना साकार किया था। राज्य सरकार इस वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप हमें विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर मिलकर कार्य करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य ने 'अंजोर विजन डॉक्युमेंट 2047' तैयार किया है, जो आने वाले वर्षों में विकास का मार्गदर्शक बनेगा।

मुख्य अतिथि ने राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते वर्षों में आवास, कृषि, धान खरीदी, महतारी वंदन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, सिंचाई तथा जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। श्री पांडेय ने छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राजगीत के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया।

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विकास और गौरव का प्रतीक है। जिले के गठन के बाद से यहां के प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि राज्योत्सव के अवसर पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी, फूड स्टॉल और सांस्कृतिक मंच की व्यवस्था की गई है, ताकि नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी के साथ मनोरंजन का भी अवसर मिल सके।प्रथम दिवस में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों के साथ छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुति दी। 'छत्तीसगढ़ महतारी' और 'हमर छत्तीसगढ़' जैसे लोकनृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र बने। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। नवीन शासकीय महाविद्यालय, जालबंधा द्वारा लोकनृत्य और हमर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की गई।

चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर हुई सुनवाई

हाईकोर्ट ने ईडी को जारी किया नोटिस

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी. इससे पहले चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) को 10 दिन के भीतर काउंटर एफिडेविट (प्रति शपथ पत्र) दाखिल करने के निर्देश दिए थे। यह सुनवाई 31 अक्टूबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्य बागची की खंडपीठ में हुई थी। चैतन्य बघेल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और एन. हरिहरन ने पैरवी की थी। वहीं प्रवर्तन निदेशालय की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू पेश हुए थे। ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन पर 18 जुलाई को भिलाई निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत गिरफ्तार किया था। शराब घोटाले की जांच ईडी ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत एसीबी/ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले के कारण प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2,500 करोड़ रुपये की अवैध कमाई (पीओसी) घोटाले से जुड़े लाभार्थियों की जेब में पहुंचाई गई।

छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 : छात्राओं ने देखा विकसित राज्य का रोडमैप

रायपुर। राज्योत्सव में जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी ÷छत्तीसगढ़ - विकास की नई पहचान और समृद्धि का गढ़÷ आमजन के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह प्रदर्शनी राज्य की अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की विकास योजनाओं को सरल, सजीव और रोचक तरीके से प्रस्तुत कर रही है।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित ÷अंजोर विज़न 2047÷ के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा, जनकल्याणकारी पहलों और नई संभावनाओं की जीवंत झलक दिखाई गई है। प्रदर्शनी देखने शंकराचार्य कॉलेज, सेजबहार रायपुर से आई छात्राओं ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और ÷छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047÷ को बेहद प्रेरणादायक बताया।छात्राओं ने कहा कि यह विज़न प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷विकसित भारत /2047÷ के संकल्प से प्रेरित है और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने प्रदर्शनी से जाना कि इस विज़न के अंतर्गत राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने, बेरोजगारी कम करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

छात्रा ममता ने कहा कि ÷अंजोर विज़न 2047 हमारे उज्जवल भविष्य की झलक है, जो एक विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का रोडमैप को साकार कर रही है।÷ वहीं छात्रा एम. ममता ने बताया कि प्रदर्शनी से उन्हें राज्य के भविष्य की दिशा और विकास के लक्ष्यों की स्पष्ट समझ मिली। उन्होंने कहा कि ÷यह देखकर गर्व होता है कि हमारा छत्तीसगढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्रदर्शनी स्थल पर जनसम्पर्क विभाग की मासिक पत्रिका 'जनमन' सहित अन्य प्रचार सामग्री का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।

बिलासपुर में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू

बिलासपुर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सोमवार 4 नवंबर से शुरू हो गया है। यह अभियान एक महीने तक, 4 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची को अपडेट और त्रुटि रहित बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रशासन ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। जिलेभर में करीब 3800 अधिकारी-कर्मचारी इस अभियान में जुटे हैं। अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क करेंगे और मतदाता सूची से जुड़ी जानकारियों को अद्यतन करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। छह विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू हुआ अभियान बिलासपुर जिले के छह विधानसभा क्षेत्र कोटा, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा और मस्तुरी में यह विशेष पुनरीक्षण अभियान एक साथ शुरू किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी क्षेत्रों में बीएलओ की नियुक्ति कर दी है, जो अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाता सूची की जांच करेंगे। कुल 1815 मतदान केंद्रों को आधार बनाकर यह कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर को अपने मतदान क्षेत्र के घरों में जाकर मतदाताओं से मिलना, गणना प्रपत्र भरवाना और मतदाता सूची में नाम, पता एवं आयु संबंधी विवरणों की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है। अभियान के दौरान अगर किसी मतदाता के नाम, पते या अन्य जानकारी में कोई गलती या चूक पाई जाती है, तो वह दावा या आपत्ति दर्ज करा सकता है।

राज्य स्थापना की रजत जयंती पर सूरजपुर में राज्योत्सव जिला स्तरीय कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर भव्य कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मुख्य अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज सहित अन्य अतिथियों ने स्टालों का किया अवलोकन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन स्टेडियम में जिला स्तरीय राज्योत्सव के द्वितीय दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम में शामिल हुए। सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ महतारी एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सूरजपुर स्वाति सिंह, मुरली मनोहर सोनी, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, संत सिंह, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम शिवानी जायसवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई थी। जनसंपर्क, जिला पंचायत, वन, उद्यान, मत्स्य, कृषि एवं पशु विभाग, पुलिस, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिवासी विकास विभाग, विद्युत, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, खाद्य, एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर/भटगांव, लाइवलीहुड कॉलेज, क्रेडा एवं विद्युत आदि विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को दर्शाया गया था। सांसद चिंतामणि महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और अधिकारियों द्वारा दी जा रही जानकारी की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने उपस्थित जनों को रजत जयंती वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने राज्य बनने की पृष्ठभूमि पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि पहले परिस्थितियां कठिन थी।

खेल और बस्तर ओलंपिक की मिल रही जानकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टॉल में

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टॉल में खेल की विविधता और खेल सामग्री के साथ-साथ बस्तर ओलंपिक को विशेष रूप से हाइलाइट किया गया है।

खेल शुभंकर के साथ सेल्फी

स्टॉल में प्रवेश करते ही बस्तर ओलम्पिक के शुभंकर वन भैंसा से हाथ मिलाकर और सेल्फी लेकर युवा रोमांचित हो रहे हैं। खेल में रुचि रखने वाले युवा और बच्चे खेल एवं युवा कल्याण विभाग की झांकी देखकर खेल की विविधता और खेल सामग्रियों से परिचित हो रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक की जानकारी

इसके अलावा पूर्व में आयोजित किए गए बस्तर ओलंपिक के अविस्मरणीय चरणों के फोटोग्राफभी प्रदर्शित किए गए हैं। बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (क्रक्कश्वस्र.) के छात्र श्री किशोर यादव ने बताया कि इस स्टॉल से खेल की विविधताओं, टूर्नामेंट और उससे संबंधित जानकारी उपलब्ध हो रही है। श्री यादव ने कहा कि ऐसी जानकारी खेल में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए खेल को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे शामिल

जिले में जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति की महक से सराबोर उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। महोत्सव में जिले के सभी विकासखंड से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और लोक वाद्य यंत्रों के साथ आकर्षक लोक नृत्य करते हुए आदिवासी जीवन की संस्कृति, परंपरा और उत्सव भावना का मनमोहक प्रदर्शन किया। मंत्री नेताम कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त कुसमी के प्रतिभागी करचा के नर्तक दलों को 50 हजार की राशि का चेक प्रदान किया। दूसरे स्थान प्राप्त विजेता कुसमी के धन्जी के नृतक दलों को 25 हजार एवं तृतीय विजेता राजपुर के डकवा के दलों को 15 हजार की राशि का चेक वितरण किया।

मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में किया अमलीगुड़ा एनीकट-कम-कॉजवे जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन

2.27 करोड़ रुपए से अधिक राशि से होगा अमलीगुड़ा एनीकेट कम कॉजवे का जीर्णोद्धार कार्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी नीतियों और विकास को हर कोने तक पहुँचाने की प्राथमिकता के तहत आज बस्तर जिले के बाकेल में एक महत्वपूर्ण विकास कार्य का शुभारंभ हुआ। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने ग्राम पंचायत अमलीगुड़ा के निवासियों को बड़ी सौगात देते हुए 2 करोड़ 27 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से अमलीगुड़ा एनीकट-कम-कॉजवे के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया।

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत यह परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना और सभी विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि यह एनीकट-कम-कॉजवे का जीर्णोद्धार कार्य न केवल जल प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि क्षेत्र की कनेक्टिविटी को भी मजबूत बनाएगा, जिससे अमलीगुड़ा और आस-पास के क्षेत्रों की जनता को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल, ग्राम पंचायत अमलीगुड़ा के सरपंच श्री दयमन बघेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रमिक सशक्तीकरण की दिशा में 25 वर्ष की उपलब्धि, श्रम विभाग की प्रदर्शनी बनी विशेष आकर्षण का केंद्र

रायपुर। श्रमिक सशक्तीकरण की दिशा में 25 वर्ष की उपलब्धि राज्योत्सव में श्रम विभाग की प्रदर्शनी बनी विशेष आकर्षण का केंद्र रायपुर, 03 नवंबर 2025/ छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में इस वर्ष श्रम विभाग की प्रदर्शनी ने लोगों में विशेष आकर्षण पैदा किया। राज्य के गठन के बाद बीते 25 वर्षों में श्रमिकों के जीवन में आए बदलावों और जनकल्याणकारी प्रयासों को इस प्रदर्शनी में सजीव रूप से दर्शाया गया है। अटल नगर नवा रायपुर स्थित डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में श्रम विभाग ने राज्य के औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों के अधिकार और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन से लेकर सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं तक के कई प्रभावी पहलों की झलक श्रम विभाग की प्रदर्शनी में देखने को मिलती है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, मातृत्व सहायता और पेंशन योजनाओं से राज्य के लाखों श्रमिक परिवारों को राहत पहुंच रही है। राज्य सरकार द्वारा ई-श्रम पोर्टल

की शुरुआत से लाभ वितरण में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ी है। अब तक लाखों श्रमिक इस पोर्टल से जुड़कर सीधे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महिला श्रमिकों के लिए कौशल विकास और सुरक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसी कड़ी में, अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना और मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना जैसी पहलें श्रमिक परिवारों के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत मंडल में एक वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम दो संतानों को कक्षा 6वीं में प्रवेश देकर कक्षा 12वीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। वहीं, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना के अंतर्गत चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाती है, जिससे श्रमिकों के बच्चे भी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। राज्योत्सव में प्रदर्शनी देखने आए आगंतुकों ने श्रम विभाग की इस पहल को श्रमिकों के आत्मसम्मान और सशक्तीकरण की मिसाल बताया। यह प्रदर्शनी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि राज्य के श्रमिकों की मेहनत, आत्मनिर्भरता और सम्मान से भरी 25 वर्ष की विकास यात्रा का सजीव प्रतिबिंब हैछत्तीसगढ़ राज्योत्सव में इस वर्ष श्रम विभाग की प्रदर्शनी ने लोगों में विशेष आकर्षण पैदा किया। राज्य के गठन के बाद बीते 25 वर्षों में श्रमिकों के जीवन में आए बदलावों और जनकल्याणकारी प्रयासों को इस प्रदर्शनी में सजीव रूप से दर्शाया गया है। अटल नगर नवा रायपुर स्थित डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में श्रम विभाग ने राज्य के औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों के अधिकार और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

विधायक लता उसेंडी ने 05 हितग्राहियों को सौंपी आवास की चाबी

कोंडागांव । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत महोत्सव के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में जिले के 05 हितग्राहियों को नए आवास की सौगात मिली है। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों के अवलोकन के दौरान उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टाल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। इन हितग्राहियों में धनोरा निवासी रतो बाई, कुदुर निवासी सुरेखा कश्यप और केजेंग निवासी गांडोराम नेताम शामिल है, जिन्हें नक्सल प्रभावितों के लिए विशेष परियोजना के तहत पक्का आवास मिला है। इसी प्रकार दहिकोंगा निवासी बुद्धिमनी दीवान और बनियागांव निवासी मंगल राम भी शामिल है। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, पूर्व विधायक सेवक राम नेताम सहित जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, जिला पंचायत के सदस्यगण और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

कोंडागांव, 03 नवम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती (25वी वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में दिनांक 01 नवंबर 2025 को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के 3.51 लाख आवासों में वर्चुअल रूप से गृह प्रवेश कार्यक्रम की शुरुआत की। इसी कड़ी में कोंडागांव जिले के विकासखंड केशकाल में भी जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई के नेतृत्व में हजारों नवनिर्मित आवासों में पारंपरिक रीति रिवाजों से गृह प्रवेश कराया गया। विकासखंड केशकाल के ग्राम पंचायत उन्दरी में जनपद पंचायत केशकाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग सिन्हा, पंचायत सरपंच रमेश मंडावी तथा जनपद और पंचायत के अन्य सभी प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में 25 आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एक मंच के माध्यम से जल्द आवास निर्माण करने वाले हितग्राहियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उपहार का भी वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ देश में सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य : डॉ. रमन सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज नवा रायपुर अटल नगर में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ पलायन, कुपोषण और पिछड़ेपन के लिए जाना जाता था। अब 25 वर्ष में छत्तीसगढ़ ने तेजी से विकास किया है और छत्तीसगढ़, देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस अवसर पर पडवानी गायक पद्मश्री उषा बारले, सूफी गायक श्री राकेश शर्मा, छत्तीसगढ़ गायक श्री कुलेश्वर ताम्रकर एवं पार्श्व गायक सुश्री भूमि त्रिवेदी को सम्मानित किया। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा और विधायक धरसीवां श्री अनुज शर्मा भी शामिल रहे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल जी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ को पृथक से राज्य बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बना है। आज छत्तीसगढ़ भारत के आधे राज्यों को चावल प्रदान करता है, देश में हर पांचवे सीमेंट की बोरी छत्तीसगढ़ की है, हर पांचवा छड़ छत्तीसगढ़ का है, छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि अब बस्तर से सरगुजा तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राज्य में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, 15 मेडिकल कॉलेज, 84 नर्सिंग कॉलेज जैसी संस्थाएं खुल गयीं हैं। ये छत्तीसगढ़ की बदलती तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल छत्तीसगढ़ का है छत्तीसगढ़ के युवाओं के संकल्प में वो ताकत है कि 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बनेगा तब छत्तीसगढ़ देश के सबसे विकसित राज्यों में शीर्ष पर होगा।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राज्य का निर्माण जिन उद्देश्यों को लेकर किया गया था आज उसे पूरा करते हुए तीव्र गति से विकास कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इसके विकास की गति दुगुनी हो गयी है। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी संस्कृति और संसाधनों में देश में विशिष्ट स्थान रखता है। उन्होंने रजत महोत्सव पर राज्य के निर्माताओं को नमन भी किया।

इस अवसर पर साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, फिल्म विकास निगम अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, श्री तिमलेंदु शेखर श्री विक्रम सिसोदिया, संस्कृति विभाग के सचिव श्री रोहित यादव, संचालक संस्कृति विभाग श्री विवेक आचार्य सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के आसमान पर बिखरेगी तिरंगे की झटा

रायपुर । भारतीय वायुसेना की एरोबेटिक सूर्य किरण टीम का छत्तीसगढ़ के आसमान में रोमांचक प्रदर्शन 5 नवंबर को होगा। यह प्रदर्शन नवा रायपुर के सेंध जलाशय के उपर आसमान में होगा। छत्तीसगढ़ स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ पर सूर्य किरण टीम के हैरतअंगेज हवाई करतब के लिए सूर्य किरण की टीम रायपुर पहुंच चुकी है। रोमांच से भरे इस प्रदर्शन में सूर्य किरण टीम के 9 फाइटर प्लेन शामिल होंगे। सूर्य किरण टीम के लीडर अजय दशरथी और अन्य सदस्यों ने सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन को लेकर स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिए युवाओं को आकर्षित करने और युवाओं में देशभक्ति का जज्बा जगाने के लिए यह प्रदर्शन किया जा रहा है। यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़ वासियों के लिए एक यादगार पल होगा। इस प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ के फाइटर पायलेट श्री गौरव पटेल भी भाग लेंगे। सूर्य किरण टीम के 140 सदस्य रायपुर पहुंच चुके हैं। इस टीम में 12 फायटर पायलेट, 3 इंजीनियर और ग्राउड स्टाफ हैं। प्रदर्शन के दौरान वायु सेना द्वारा कामेंट्री भी की जाएगी। सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन में फाइटर पाइलट के शौर्य, अनुशासन और कार्यकुशलता का अनुभव दर्शकों के लिए रोमांचक और यादगार पल होगा। सूर्य किरण टीम 4 नवंबर को रिहर्सल करेगी और 5 नंवबर को सुबह 10 बजे से 12 के बीच फाइनल शो होगा। इस प्रदर्शन में फाइटर प्लेन मनूवर करते हुए हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान आदि फार्मेशन आकाश में दिखाई देगा। इसके साथ ही फाइटर प्लेन आर्कषक तिरंगा लहराते हुए आसमान में दिखेगें। सूर्य किरण का एयर शो लगभग 30 से 35 मिनट तक चलेगा। सूर्य किरण के फाइटर पायलेट, 3 इंजीनियर और ग्राउड स्टाफ हैं। प्रदर्शन के दौरान वायु सेना द्वारा कामेंट्री भी की जाएगी। सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन में फाइटर पाइलट के शौर्य, अनुशासन और कार्यकुशलता का अनुभव दर्शकों के लिए रोमांचक और यादगार पल होगा। सूर्य किरण टीम 4 नवंबर को रिहर्सल करेगी और 5 नंवबर को सुबह 10 बजे से 12 के बीच फाइनल शो होगा। इस प्रदर्शन में फाइटर प्लेन मनूवर करते हुए हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान आदि फार्मेशन आकाश में दिखाई देगा। इसके साथ ही फाइटर प्लेन आर्कषक तिरंगा लहराते हुए आसमान में दिखेगें। सूर्य किरण का एयर शो लगभग 30 से 35 मिनट तक चलेगा। सूर्य किरण टीम के फाइटर प्लेन तेजी से मनूवर करते हुए 100 फीट से 10 हजार फीट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं, इस शो को इस तरह से डिजाईन किया गया है कि 10 से 15 किमी के मध्य लोगों को स्पष्ट रूप से दिखाई दे और भारतीय सेना के शौर्य गाथा को महसूस कर सके।

छत्तीसगढ़ इन 25 वर्षों में विकास के विभिन्न ऊंचाइयों को छुआ है – मंत्री नेताम

रायपुर । बलरामपुर जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के आदिम जाति विकास और कृषि मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। इस दौरान कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने मंत्री नेताम सहित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मंत्री नेताम ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकानाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ निर्माण को 25 वर्ष पूरे होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य और बलरामपुर जिला उपलब्धियों को छूएगा। साथ ही विकास की गई गाथाएं लिखेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ गठन के विकास यात्रा के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिला 2012 में बना तब जिले में सिंगल सड़कें हुआ करता थी, लेकिन आज हमने सड़कों का जाल बिछाया है। हमारा जिला नक्सलवाद से जूझ रहा था, परन्तु आज स्थिति बदल गई है, अब हमारा जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में हमने नई ऊंचाईयों को छुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में आज विद्यालयों की संख्या बढ़ी है, सिंचाई का रकबा बढ़ा है, नल जल योजना के माध्यम से घरों में स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कर सीधे उनके खाते में ही पैसा हस्तांतरित किया जा रहा है। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से तकनीकी ज्ञान एवं उन्नत खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य निर्माण के समय हमारे जिले में तहसीलों की संख्या कम थी, परन्तु आज हमारे जिले में तहसीलों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। साथ ही 06 अनुभाग भी बनाये गये हैं, जिससे लोगों को सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हर वर्गों जैसे बुजुर्गों, महिलाओं एवं आमजनों के लिए नीतिगत योजनाएं चला रही है। जिनका लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। मंत्री नेताम ने बताया कि 01 नवम्बर को राजधानी रायपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आगमन हुआ था। उन्होंने इस दौरान नये विधानसभा भवन और आदिवासी संग्रहालय का उद्घाटन किया।

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ : सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की झांकी में बच्चों की विशेष रुचि

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक अनोखी पहल की गई है। विभाग द्वारा राजस्व परिसर में विभागीय प्रदर्शनी के डोम के सामने अत्याधुनिक टेलिस्कोप के माध्यम से सूर्य और चंद्रमा को 1500 गुना बड़ा लाइव दिखाया जा रहा है।

स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों की इस प्रदर्शनी में विशेष रुचि है। टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रमा की सतह को 1500 गुना बड़ी आकृति में देखकर विद्यार्थी रोमांचित हो रहे हैं। इंजीनियरिंग की छात्रा कुमारी आकृति शर्मा ने बताया कि इतना अत्यधिक टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा को देखना बहुत ही रोमांचकारी है। आकृति शर्मा ने कहा कि बचपन से ही सूर्य और चंद्रमा के प्रति विशेष रुचि रही है। इस टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रमा को बहुत करीब से देख पा रही हैं। चंद्रमा और सूर्य को 1500 गुना बड़ा देखना राज्योत्सव को अविस्मरणीय बना दिया है। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

25 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित थीम पर बने स्टॉल लोगों को कर रहा आकर्षित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर नवा रायपुर के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेला ग्राउंड में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा लगाए स्टॉल में लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। विभिन्न योजनाओं पर बनाए गए थीम लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्योत्सव 2025 को रजत जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। इस बार राज्योत्सव का आयोजन 01 नवम्बर से 05 नवम्बर तक पांच दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 01 नवंबर को रजत जयंती राज्योत्सव का शुभारंभ हुआ। राज्योत्सव में लगाए विभागीय स्टॉल में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के हितार्थ चलाई जा रही विभागीय योजनाओं पर विशेष रूप से फोकस किया गया है।

रजत जयंती महोत्सव में जनसंपर्क विभाग की डिजिटल प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

रजत जयंती महोत्सव में जनसंपर्क विभाग की डिजिटल प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को दर्शाने के लिए नवा रायपुर के राज्योत्सव मैदान में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई डिजिटल प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी में राज्य के निर्माता तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की रचना, छत्तीसगढ राज्य निर्माण के लिए किए गए संघर्ष, विकास यात्रा और उपलब्धियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित की गई है द्य

वाजपेयी की कृतियों के साथ राज्य के विकास योजनाओं का प्रदर्शन

राज्योत्सव के उद्घाटन अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कहा कि इसमें स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की कृतियों के साथ राज्य के विकास योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो सराहनीय है।

डिजिटल प्रदर्शनी में राज्य के 25 वर्षों की उपलब्धियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की विकास गाथा तथा राज्य की फ्लैगशिप योजनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधियों को आकर्षक साउंड इफेक्ट्स के साथ प्रदर्शित किया गया है, जिससे यह प्रदर्शनी आगंतुकों के लिए अत्यंत रोचक और जानकारी का स्रोत बन गया है। प्रदर्शनी में भुइंया अभिलेख, एमएसएमई इकाइयों की स्थापना, पारदर्शिता आधारित शासन व्यवस्था, हर दिशा में विकास, हर परिवार को घर, हर गांव का विकास, हर युवा को अवसर, हर जीवन को सुरक्षा, हर नारी का सम्मान तथा हर घर में समृद्धि जैसी योजनाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के विकास और प्रगति के दशक की झलक भी इस प्रदर्शनी में देखने को मिलती है।इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने की परिकल्पना ÷अंजोर विजन ञ2047÷ को भी डिजिटल माध्यम से दर्शाया गया है, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

छत्तीसगढ़ के आसमान पर बिखरेगी तिरंगे की झटा : नया रायपुर में सूर्य किरण का रोमांचक एयर शो 5 नवंबर को

फाइटर प्लेन मनूवर करते हुए बनाएंगे हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान जैसी कई फार्मेशन

नौ फाइटर प्लेन आधे घंटे तक आसमान में दिखाएंगे करतब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आसमान पर बिखरेगी तिरंगे की झटा नया रायपुर में सूर्य किरण का रोमांचक एयर शो 5 नवंबर को फाइटर प्लेन मनूवर करते हुए बनाएंगे हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान जैसी कई फार्मेशन नौ फाईटर प्लेन आधे घंटे तक आसमान में दिखाएंगे करतब रायपुर, 03 नवम्बर 2025/ भारतीय वायुसेना की एरोबेटिक सूर्य किरण टीम का छत्तीसगढ़ के आसमान में रोमांचक प्रदर्शन 5 नवंबर को होगा। यह प्रदर्शन नवा रायपुर के सेंध जलाशय के उपर आसमान में होगा। छत्तीसगढ़ स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ पर सूर्य किरण टीम के हैरतअंगेज हवाई करतब के लिए सूर्य किरण की टीम रायपुर पहुंच चुकी है। रोमांच से भरे इस प्रदर्शन में सूर्य किरण टीम के 9 फाइटर प्लेन शामिल होंगे। सूर्य किरण टीम के लीडर अजय दशरथी और अन्य सदस्यों ने सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन को लेकर स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिए युवाओं को आकर्षित करने और युवाओं में देशभक्ति का जज्बा जगाने के लिए यह प्रदर्शन किया जा रहा है। यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़ वासियों के लिए एक यादगार पल होगा। इस प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ के फाइटर पायलेट श्री गौरव पटेल भी भाग लेंगे। सूर्य किरण टीम के 140 सदस्य रायपुर पहुंच चुके हैं। इस टीम में 12 फायटर पायलेट, 3 इंजीनियर और ग्राउड स्टाफ हैं। प्रदर्शन के दौरान वायु सेना द्वारा कामेंट्री भी की जाएगी। सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन में फाइटर पाइलट के शौर्य, अनुशासन और कार्यकुशलता का अनुभव दर्शकों के लिए रोमांचक और यादगार पल होगा। सूर्य किरण टीम 4 नवंबर को रिहर्सल करेगी और 5 नंवबर को सुबह 10 बजे से 12 के बीच फाइनल शो होगा। इस प्रदर्शन में फाइटर प्लेन मनूवर करते हुए हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान आदि फार्मेशन आकाश में दिखाई देगा। इसके साथ ही फाइटर प्लेन आर्कषक तिरंगा लहराते हुए आसमान में दिखेगें। सूर्य किरण का एयर शो लगभग 30 से 35 मिनट तक चलेगा। सूर्य किरण के फाइटर प्लेन तेजी से मनूवर करते हुए 100 फीट से 10 हजार फीट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं, इस शो को इस तरह से डिजाईन किया गया है कि 10 से 15 किमी के मध्य लोगों को स्पष्ट रूप से दिखाई दे और भारतीय सेना के शौर्य गाथा को महसूस कर सके। सूर्य किरण टीम में हिदुस्तान एरोनाटिल लिमिटेड द्वारा निर्मित हाक मार्क 123 विमान शामिल है। इस फाइटर प्लेन का उपयोग फाइटर पायलेट प्रशिक्षण के दौरान भी करते हैं। रायपुर में सूर्यकिरण टीम का प्रदर्शन 15 वर्ष पूर्व किया गया था, जिसमें सूर्य किरण मार्क-2 फाइटर प्लेन ने हिस्सा लिया था। सूर्य किरण टीम के सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल इंटरटेनमेंट करना ही नहीं है, बल्कि देश और प्रदेश के युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। सूर्य किरण की टीम अब तक देश-विदेश में 700 एयर शो कर चुके हैं। हाल में ही टीम ने थाइलेंड में प्रदर्शन किया था। फाइटर पायलटों ने बताया कि 8 माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद एयर शो के लिए सक्षम हो पाते हैं। शो में जोखिम भी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं बाइक चलाकर युवाओं को दिया सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राजधानी रायपुर का बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम आगामी 8 और 9 नवम्बर को रफ्तार, रोमांच और युवाओं के उत्साह का मंच बनेगा। रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में आयोजित यह विशेष कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की नई ऊर्जा, नवाचार भावना और युवा सामर्थ्य का प्रतीक होगा। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमआरएफ नेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप 2025 का यह भव्य आयोजन न केवल रोमांचक मोटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, बल्कि युवाओं को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट पहनने और सड़क पर रेसिंग से बचने जैसे सामाजिक संदेश देने का भी माध्यम बनेगा। कार्यक्रम से पूर्व आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं बाइक चलाकर युवाओं को सेफ ड्राइविंग का संदेश दिया। उन्होंने आगामी 8-9 नवंबर को आयोजित नेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, युवाओं में अपार ऊर्जा है, और उस ऊर्जा को सही दिशा देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को सेफ ड्राइविंग का संदेश देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है इसीलिए दुपहिया चलाते समय हमेशा हेलमेट पहने और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। सड़क पर रेसिंग बिल्कुल ना करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ ही नई पीढ़ी में अनुशासन, जिम्मेदारी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ का युवा केवल गति से नहीं, बल्कि संयम और संकल्प से पहचाना जाए।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

डीपफेक एआई पर सरकारी नियंत्रण आवश्यक

कहा जा सकता है कि सूचना तकनीक को विनियमित करने के पहले से मौजूद प्रावधानों का विस्तार अब एआई से तैयार डीपफेक एवं दूसरे आपत्तिजनक कंटेन्ट को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा। यह नहीं कहा जा सकता कि यह पूरी तरह गैर-जरूरी है। एआई से तैयार कंटेन्ट आज एक ऐसी हकीकत हैं, जिनके साथ जीना समाज को सीखना होगा। ऐसे कंटेन्ट समाज उथल-पुथल का जरिया बन सकते हैं। अतः इस कारोबार से जुड़े सभी पक्षों को न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए। बहरहाल, इस क्रम में रचनात्मकता कुंद ना हो जाए, यह उचित अपेक्षा है। चूंकि अभी नियमों का प्रारूप ही आया है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों के साथ राय-मशविरे कर केंद्र को इसे अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

ज्यादा सुर्खियां पा गया हाथ नहीं मिलाना

मनोज चतुर्वेदी

भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट एशिया कप मुकाबले में न तो बहले जैसा रोमांच दिखा और न ही दीवानगी दिखी। वहीं मैच में भारत के सात विकेट से जीत के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव, ओपनर अभिषेक शर्मा और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव के प्रदर्शन के मुकाबले मैच में दोनों टीमों का हाथ नहीं मिलाना ज्यादा सुर्खियां पा गया। एकतरफा हार से बुरी तरह हताश पाकिस्तान टीम ने हाथ नहीं मिलाने के मुद्दे को एशिया कप के बायकाट की धमकी तक पहुंचा दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस आईसीसी से शिकायत करते हुए कहा है कि मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को नहीं हटाया तो वह एशिया कप से हट जाएगा। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट काउंसिल के भी अध्यक्ष हैं, ने एक्स पर पोस्ट डाल कर इस शिकायत की पुष्टि की है। उन्होंने लिखा है कि पीसीबी ने क्रिकेट की भावना से जुड़े एमसीसी के नियम और आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच रेफरी के खिलाफ दर्ज शिकायत में मैच रेफरी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार मांग नहीं माने जाने पर पाकिस्तान चैंपियनशिप से हट सकता है। खबरों के मुताबिक पायक्राफ्ट टॉस से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा को एकतरफ ले गए और कहा कि दोनों कप्तानों के बीच हैंडशेक नहीं होगा। यह भी कहा गया कि मैच के बाद पाकिस्तान टीम कुछ दूरी तक भारतीय ड्रेसिंग रूम की तरफ गई पर कोई जवाबी प्रतिक्रिया न देख कर लौटगई। पीसीबी के अनुसार टीम मैनेजर नवेद चीमा ने भारतीय खिलाड़ियों के खेल भावना के विपरीत व्यवहार की शिकायत की है। आइसीसी के पाकिस्तान की शिकायत पर झुकने की संभावना नहीं है। इसकी वजह है कि रूल में हाथ मिलाने को लेकर खास निर्देश नहीं है। यह असल में नियम न होकर परंपरा मात्र है। वैसे भी खेलों में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। साल 2023 के विम्बलडन में ही यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका से खेलते समय यह कहते हुए हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था कि उनके देश ने हमारे देश पर हमला किया है। आयोजकों ने इस घटना पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। पाकिस्तान को अपना मैच 17 सितम्बर को यूएई से खेलना है। पाकिस्तान यदि इस मैच में नहीं खेलता है तो उसके सुपर फोर में पहुंचने की सारी संभावनाएं खत्म हो जाएंगी। इसकी वजह यह है कि यूएई ओमान से मैच जीत चुका है, और पाकिस्तान नहीं खेलता है तो उसके चार अंक हो जाएंगे और वह सुपर फोर में पहुंच जाएगी। इसलिए यह तय है कि अगले 24 घंटे में पाकिस्तान को लेकर सारी स्थितियां स्पष्ट हो जानी हैं।

सभी जानते हैं कि कुछ दिनों पहले पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने हमला करके निदरेषों को मार दिया था। इसे ध्यान में रखकर ही पाकिस्तान से मैच खेलने का विरोध किया जा रहा था पर सरकार की नीति है कि आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान खेल सकते हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद कहा कि टीम ने मिल कर हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया था। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले में शहीद 26 निदरेषों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। हम अपने सशस्त्र बलोंऔर उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। पाकिस्तान खेलने का फैसला करता है तो इस स्थिति का एक या दो बार सामना करना पड़ सकता है। पर भारत यदि इस ट्रॉफी को जीतता है तो उसके सामने भी परीक्षा की घड़ी आनी है। एशियाई क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष होने के नाते मोहसिन नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करेंगे।

यह निजी विचार है।

प्रौद्योगिकी से समृद्ध भारत आज सिर्फ अनुयायी नहीं, बल्कि दूसरों को पीछे चलने के लिए कर रहा प्रेरित

डॉ. जितेंद्र सिंह
लेखक केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक, देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है।

यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5त नेटवर्क की शुरुआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज़ इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुँचाया है।

भारत अब ÷सबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्था।देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

ईएसटीआईसी : उपलब्धि से आकांक्षा तक इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें।

यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है, जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता हैः भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना।

ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान, और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा, ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे।

मूल रूप से, ईएसटीआईसी का उद्देश्य पूरे विज्ञान तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ना है- उन मंत्रालयों को जो नीतियाँ बनाते हैं, उन वैज्ञानिकों को जो नवाचार करते हैं,उन उद्योगों को जो विचारों को विस्तार देते हैं, और उन स्टार्टअप्स को जो बदलाव लाते हैं। यह सम्मेलन अब तक की यात्रा का सम्मान करता है और आगे के उस मार्ग को भी दर्शाता है जो भारत को सतत, समावेशी और परिवर्तनकारी विकास की ओर ले जाता है।

ग्यारह विषय, एक लक्ष्य

ईएसटीआईसी 2025 को ग्यारह प्रमुख विषयों के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है, जो मिलकर भारत की तकनीकी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को दर्शाते हैं। इन विषयों में शामिल हैं- एडवांस्ड मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग- ऐसे मजबूत, हल्के और स्मार्ट पदार्थों का निर्माण जो रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग के क्षेत्र को नई शक्ति दें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता- जो जीवन को आसान बना रही है और शासन प्रणाली को अधिक स्मार्ट और समावेशी बना रही है। बायो-मैन्युफैक्चरिंग- जो टिकाऊ जैव-उत्पादों और सर्कुलर समाधानों के माध्यम से हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। ब्लू इकॉनमी- जो समुद्री संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर समृद्धि और लचीलापन बढ़ाने पर केंद्रित है। डिजिटल कम्युनिकेशन- 4 त से 5त और अब 6त की ओर बढ़ते हुए ग्रामीण भारत को सशक्त बना रहा है और वैश्विक डिजिटल कूटनीति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण- जो %मेक इन इंडिया% के विज़न को सिलिकॉन-आधारित वास्तविकता में बदल रहा है। उभरती कृषि तकनीकें- जो नवाचार, सटीकता और स्थिरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं।ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु- जो नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन को दुनिया के लिए उदाहरण बना रहे हैं।स्वास्थ्य और चिकित्सा तकनीकें- जो सस्ती और सुलभ नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य समानता सुनिश्चित कर रही हैं। क्वांटम विज्ञान और तकनीक- जो सुरक्षित संचार, सेंसरिंग, कंप्यूटिंग और नए पदार्थों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।अंतरिक्ष तकनीक- जो नई पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और भारत के वैज्ञानिक क्षितिज को और विस्तृत बना रही है। ये सभी विषय मिलकर भारत के समग्र नवाचार मानचित्र को दर्शाते हैं- एक ऐसा ढांचा जहां गहन विज्ञान, उद्यमिता और नीति निर्माण एक साथ मिलकर देश के विकास को नई दिशा देते हैं।

विकसित भारत 2047 की ओर

कई मायनों में, ईएसटीआईसी भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। एक ऐसा आत्मविश्वास जो ज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य है-कल्पनाशक्ति को जगाना, युवाओं को प्रेरित करना, और भविष्य के लिए नवाचार को बढ़ावा देना।

ईएसटीआईसी 2025 में विचारशील नेताओं, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के अग्रदूतों को एक साथ लाया जाएगा, ताकि भारत को एक वैज्ञानिक महाशक्ति और नवाचार-आधारित विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, ईएसटीआईसी एक प्रेरक शक्ति और प्रतीक दोनों के रूप में खड़ा है। एक ऐसा मंच जहां भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां उसकी विकास आकांक्षाओं से मिलती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर नवाचार मजबूत, टिकाऊ और समावेशी विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे।

ट्रेन की बोगियों में घुसने स्टेशनों पर धक्कामुक्की

अजीत द्विवेदी

देश के अलग अलग हिस्सों से मीडिया और सोशल मीडिया में तस्वीरें आ रही हैं कि कैसे बिहार के लोग ट्रेन की बोगियों में घुसने के लिए स्टेशनों पर धक्कामुक्की कर रहे हैं। कैसे गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के स्टेशनों के बाहर लंबी लंबी कतारों में घंटों खड़े रह रहे हैं और उसके बाद भी ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूंस कर जा रहे हैं। अपने माता पिता के साथ बाथरूम के सामने खड़े होकर यात्रा कर रही एक छोटी सी बच्ची की ऐसी हृदयविदारक तस्वीर अखबारों में छपी, जिसे देख कर पीड़ा और क्रोध का सहज मनोभाव उमड़ आए। यह सिर्फ इस बार की घटना नहीं है। हर बार होली, दिवाली और छठ पर इस तरह की तस्वीरें आती हैं। कोरोना की महामारी में पूरे देश ने आजादी के बाद पलायन की सबसे बड़ी त्रासदी की तस्वीरें देखीं। तपती धूप में, बच्चों को कंधे पर लिए लोग पैदल चले जा रहे थे। आदमियों की कतारें चींटियों की कतारों से बेहतर नहीं थीं, जो अनायास पैरों तले कुचल जाती हैं।

इन तस्वीरों से दो सवाल उठते हैं। पहला, तात्कालिक और दूसरा दीर्घकालिक है। तात्कालिक सवाल तो यह है कि ऐसा क्या है, जो भारत की सर्व शक्तिशाली सरकार, कुछ लाख लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा सकती है? याद करें कैसे कुछ महीने पहले ऐलान किया गया था कि इस बार त्योहारों के समय 12 हजार विशेष ट्रेनें चलेंगी। सोचें, यह कितनी बड़ी संख्या है? अगर यह मान लिया जाए कि ट्रेनें कम होंगी और उनके फेरे 12 हजार होंगे तब भी यह संख्या बहुत बड़ी है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या निश्चित रूप से बड़ी है लेकिन अब तो बहुत बड़ी आबादी त्योहार मनाने लौट नहीं रही है। लोग जहां हैं वहीं त्योहार मना रहे हैं तभी दिल्ली में यमुना के किनारे या देश के दूसरे शहरों में नदियों के किनारे हर साल छठ करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

फिर भी जितने लोग लौटना चाहते हैं कभी भी सरकारें उनके लिए सुविधाजनक व्यवस्था नहीं कर पाती है। उनको टिकट लेकर यात्रा करनी है। वे पैसे चुकाने को तैयार हैं और दूसरी ओर सरकारें भी सुविधा देने के वादे कर रही हैं फिर भी लोग जानवरों की तरह ट्रेनों, बसों में लद कर जाते हैं! जाहिर है कि सरकार के दावे, तैयारियों और वास्तविकता में मिसमैच है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पिछले 10 दिन में कम से कम दो बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे। लेकिन क्या सुविधा मुहैया कराई गई? स्टेशन पर आधुनिक होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, जहां लोगों को रोक कर रखा जाता है। इसका मकसद यह है कि जैसे कुछ समय पहले स्टेशन पर भगदड़ हुई थी वैसी भगदड़ न हो।

सरकार को सिर्फ भगदड़ की चिंता है क्योंकि उससे इमेज खराब होती है। बाकी लोग भेड़, बकरियों की तरह लद कर जा रहे हैं, स्टेशनों पर रात बिता रहे हैं, स्टेशनों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! अगर सचमुच 12 हजार ट्रेनें चला दी जाएं और एक करोड़ लोग भी दिवाली, छठ के लिए यात्रा करने वाले हों तब भी बड़े आराम से इसे मैनेज किया जा सकता है। हर दिन दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाली भारतीय रेल के जरिए सरकार 10 दिन से ज्यादा की अवधि में करीब एक करोड़ लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा पाती है!

दूसरा दीर्घकालिक सवाल यह है बिहार में सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं कर पाती है? इसमें कोई संदेह नहीं है कि 1990 से 2005 के बीच जिन कारणों से पलायन हुआ वो कारण अब मौजूद नहीं हैं। अब लोग भय से पलायन नहीं कर रहे हैं। क्लासिकल परिभाषा के हिसाब से देखें तो अब पलायन नहीं प्रवासन हो रहा है। प्रवासन सदियों से हो रहा है और दुनिया के हर हिस्से में होता है। इसका मतलब होता बेहतर अवसर की तलाश में दूसरी जगह जाना। लेकिन बिहार में लोग बेहतर अवसर की तलाश में नहीं जाते हैं, बल्कि किसी तरह के अवसर की तलाश में जाते हैं। बिहार में 20 साल से एक ही नेता नीतीश कुमार की सरकार है लेकिन वे रोजी, रोजगार के ऐसे अवसर नहीं पैदा कर सके कि लोगों को साधारण सी नौकरी या साधारण से रोजगार के लिए बिहार छोड़ कर न जाना पड़े। लोग 10 हजार, 12 हजार की नौकरी के लिए बिहार छोड़ कर जाते हैं। तभी बिहार के हर चुनाव में पलायन का मुद्दा बनता है लेकिन हर बार पार्टियां जो समाधान सुझाती हैं वह तात्कालिक चुनावी लाभ हासिल करने वाली ही होती हैं।

इस बार बिहार चुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने वादा किया कि सरकार बनी तो पलायन रोक देंगे और बिहार में ही लोगों को वैसी नौकरी देंगे, जैसी वे बाहर जाकर करते हैं। लेकिन यह कैसे करेंगे इसका रोडमैप उन्होंने कभी नहीं बताया। इसी तरह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक अविश्वसनीय वादा किया कि सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। सोचें, पौने तीन करोड़ परिवार के एक एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का मतलब पौने तीन करोड़ नौकरी देना है। बिहार में नौकरी करने योग्य उम्र वाले लोगों की संख्या छह से साढ़े छह करोड़ के आसपास है। क्या तेजस्वी इनमें से लगभग आधे लोगों को सरकारी नौकरी दे देंगे? हकीकत यह है कि बिहार में कुल सरकारी नौकरी अभी 23 लाख के करीब है और इसे बढ़ा कर ज्यादा से ज्यादा 30 लाख किया जा सकता है। लेकिन तेजस्वी इससे 10 गुना ज्यादा सरकारी नौकरी की बात कर रहे हैं। जाहिर है वे सरकारी नौकरी से जुड़ी लोगों की भावनाओं से खेल रहे हैं। असल में इस सरकारी नौकरी की मृग मरीचिका ने भी बिहार का बड़ा नुकसान किया है। लाखों की संख्या में नौजवान बरसों तक इसके पीछे भागते रहते हैं और अंत में हताश होकर बैठ जाते हैं। बिहार में अवसर की कमी के कारण किशोर उम्र से ही लोगों का पलायन शुरू हो जाता है। यह सरकारी आंकड़ा है कि देश भर के प्रवासियों में सबसे कम पढ़े लिखे प्रवासी बिहार के हैं। बिहार के जो प्रवासी देश के अलग अलग हिस्सों में जाकर काम करते हैं उनमें से लगभग 44 फीसदी ऐसे हैं, जिनकी शिक्षा सिर्फ प्राथमिक स्कूल तक हुई है, इसका राष्ट्रीय औसत 34 फीसदी का है। इसी तरह देश भर के प्रवासियों में महज 7.8 फीसदी ऐसे होते हैं, जो निरक्षर होते हैं लेकिन उसमें भी बिहार का औसत 17 फीसदी से ज्यादा का है। इसका मतलब है कि दूसरे राज्यों में काम कर रहे करीब 61 फीसदी बिहारी ऐसे हैं, जो या तो निरक्षर हैं या प्राथमिक स्कूल तक पढ़ाई की है। जाहिर है कि अवसर की तलाश में निकले लोगों की शिक्षा दीक्षा इतनी है तो वे न्यूनतम आमदनी से ज्यादा कुछ नहीं कमा पाएंगे।

तभी अगर बिहार की पार्टियां या सरकार गंभीर हो तो एक करोड़ नौकरी या रोजगार देने या हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने या बिहार में ही 10 हजार रुपए की नौकरी देना का वादा करने की बजाय सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था कर दें तो इस अंधाधुंध प्रवासन की समस्या के समाधान की शुरुआत हो जाएगी। पहला कदम शिक्षा को बेहतर बनाने का होना चाहिए। अगर सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था हो जाए तो बिहार में भी रोजगार के अवसर बनेंगे और बाहर जाकर भी बिहार के लोग क्वालिटी रोजगार हासिल कर पाएंगे। लेकिन दुर्भाग्य से मुख्यधारा की पार्टियों के सारे नेता बिना शिक्षा व्यवस्था सुधारे ही रोजगार देने और पलायन रोकने के वादे कर रहे हैं!

यह निजी विचार है।

कल हो न हो के अंदाज में जी रहे भारत के युवा

अजीत द्विवेदी

भारत के प्राचीन दर्शन में कर्ज लेकर घी पीने की सलाह देने वाले ऋषि भी हुए हैं। कर्ज की मय पीकर फाकामस्ती के रंग लाने की उम्मीद पालने वाले शायर भी हुए। लेकिन भारत के लोगों ने कभी भी कर्ज लेकर घी या मय पीने को जीवन का सिद्धांत नहीं बनाया। इसकी बजाय भारत मितव्ययिता को जीवन का सार मानने वाला देश रहा। लघु बचत के मामले में भारतीयों का जवाब नहीं है। तभी जब 2008 में दुनिया भर में मंदी आई, जिसे अमेरिका के सब प्राइम क्राइसिस के नाम से जाना जाता है तो भारत पर उसका कोई असर नहीं हुआ। भारत में सब कुछ सामान्य तरीके से चलता रहा। इसका कारण भारत के आम लोगों की लघु बचत रही। ध्यान रहे भारत के बैंकों ने राजनीतिक दबाव और भ्रष्टाचार के कारण आम लोगों की बचत का बहुत पैसा लुटाया है। राजनेताओं के संरक्षण में लाखों करोड़ रुपए के बैंकिंग फ्रॉड हुए। फिर भी बैंकों की सेहत बहुत जल्दी सुधर गई क्योंकि भारत के लोग कर्ज लेकर मौजमस्ती करने की बजाय पैसे जमा करने को ज्यादा श्रेष्ठ आचरण मानते हैं। परंतु अब प्राचीन काल से चला आ रहा जीवन मूल्य बदल रहा है। अब भारत में कर्ज लेने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दिखावे से दूर सादा जीवन और उच्च विचार के भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी पीछे छोड़ कर वैसे ही दिखावे में दिवालिया होने की ओर बढ़ रही है, जैसे दक्षिण कोरिया के गगनम में हुआ। 'ओपन गगनम स्टाइल' गाना तो लोगों को ध्यान ही होगा। अमेरिका और लगभग समूचे पश्चिम में उपभोक्तावाद कर्ज लेकर घी या मय पीने के जीवन दर्शन पर ही फला फूला है। यह हकीकत है कि अमेरिका में औसत व्यक्ति अपने जीवन में जितना कमाएगा उतना वह कर्ज ले चुका है। सबका जीवन क्रेडिट पर चल रहा है। भारत भी उस जीवन दर्शन की ओर बढ़ रहा है। भारत तेजी से ऐसे लोगों का देश बनता जा रहा है, जिनका जीवन बैंक की किस्तें चुकाने के संघर्ष में जाया हो रहा है या आने वाले समय में होगा। आजकल हर चीज किस्तों पर उपलब्ध है। किस्तों पर आईफोन खरीदे जा रहे हैं। किस्तों पर विदेश दौरे हो रहे है और किस्तों पर शादियों के भव्य और चमकदार समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। किस्तों पर बीमारियों के इलाज हो रहे हैं वह एक अलग संकट है।

अमेरिका या पश्चिमी दुनिया के मुकाबले भारत में फर्क यह है कि वहां सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं हैं, जो भारत में नहीं हैं। वहां नौकरी जाने पर अच्छा खासा बेरोजगारी भत्ता मिलता है और जल्दी ही नौकरी मिल जाने की संभावना रहती है। भारत में ऐसा कुछ नहीं है। वहां कर्ज देने की सांस्थायिक व्यवस्था है। इसके उलट भारत में जैसे नौकरी असंगठित क्षेत्र की है वैसे ही कर्ज देने की व्यवस्था भी असंगठित क्षेत्र की है। ऐप के जरिए कर्ज देने वाली कंपनियों हजारों की संख्या में हैं। जो बिना किसी कोलैटरल के किसी ऐप के जरिए इंस्टेंट कर्ज देती हैं और साल में 18 फीसदी तक ब्याज वसूलती हैं। ब्याज और कर्ज चुकाने में असफल रहने पर सोशल मीडिया में बदनाम करने से लेकर गुंडे भेज कर धमकी देने और मारपीट तक होने की घटनाएं आम हैं। ऐप के जरिए इंस्टेंट लोने देने वाली कंपनियों के कर्ज के जाल में फंसे लोगों के बदनामी के डर से आत्महत्या करने की अनेक घटनाएं हुई हैं। आम नौजवान एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड से दिल खोल कर खर्च कर रहा है और उसके बाद उसका बकाया चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

यह निजी विचार है।

मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक प्रगति को सामाजिक विकास के साथ जोड़ रहा है – डॉ.मांडविया

भारत ने साबित कर दिया है कि कोई भी देश डिजिटल नवाचार को वित्तीय समावेशन के साथ जोड़कर लाखों लोगों को सशक्त बना सकता है: डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय श्रम मंत्री ने कहा कि भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने 1 अरब 40 लाख से ज़्यादा लोगों तक कल्याणकारी लाभों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की है

डॉ. मनसुख मांडविया ने कतर के दोहा में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन के पहले दिन उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया

भारत ने दोहा में मॉरीशस और यूएनईएससीएपी के साथ द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से वैश्विक साझेदारी को मज़बूत किया

पीआईबी। केंद्रीय श्रम और रोज़गार तथा खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आज दोहा कतर में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन के उद्घाटन पूर्ण सत्र में विभिन्न देशों के 180 से अधिक गणमान्य व्यक्तियों के साथ शामिल हुए। इस दौरान श्रम सहयोग को बढ़ाने, सामाजिक सुरक्षा संवादों को आगे बढ़ाने और भारत की डिजिटल और मानव पूंजी उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातचीत भी हुई।

÷सामाजिक विकास के तीन स्तंभों - गरीबी उन्मूलन, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभी के लिए उचित कार्य, तथा सामाजिक समावेशन÷ को मजबूत करने पर आयोजित उच्च-स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में केंद्रीय श्रम मंत्री ने कहा कि भारत का मॉडल उच्च विकास को उच्च समावेशन के साथ एकीकृत करता है। उन्होंने कहा की ÷भारत ने यह प्रदर्शित किया है कि कोई भी देश डिजिटल नवाचार को वित्तीय समावेशन के साथ जोड़कर और यह सुनिश्चित करके कि आर्थिक प्रगति सामाजिक समावेशन की ओर ले जाए लाखों लोगों को सशक्त बना सकता है।÷ डॉ. मनसुख मांडविया ने सामाजिक विकास के तीनों स्तंभों पर भारत सरकार की गई निर्णायक कार्रवाई को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2016-17 और 2023-24 के बीच 17 करोड़ से अधिक नए रोजगार सृजित हुए, महिलाओं की रोजगार भागीदारी दोगुनी हुई और बेरोजगारी 6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा कि श्रम कानूनों को चार सरल श्रम संहिताओं में समेकित किया गया है और भारत सार्वभौमिक पेंशन कवरेज की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा की ÷भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने 1 अरब 40 लाख से अधिक लोगो को कल्याणकारी लाभों का निर्बाध वितरण सुनिश्चित किया है।÷

डॉ. मांडविया ने कहा की ÷इन प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है। इसी को स्वीकार करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने इस वर्ष भारत को सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पुरस्कार प्रदान किया है।÷ उन्होंने कहा की ÷भारत ने दिखाया है कि तीव्र और समावेशी विकास सामाजिक परिवर्तन को गति देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार इस विरासत को जारी रखे हैं और आर्थिक प्रगति को सामाजिक विकास के साथ जोड़ रहे हैं।÷डॉ. मांडविया ने मॉरीशस के श्रम मंत्री से मुलाकात कर कौशल विकास, श्रम गतिशीलता, डिजिटल श्रम प्लेटफॉर्म और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा की। भारत ने मॉरीशस के साथ अपने विशेष ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया और तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) में क्षमता निर्माण में सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की। डॉ. मंडाविया ने श्रम इकोसिस्टम में डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के निर्माण में भारत की सफलता के बारे में बताया। इसमें राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल और ई-श्रम डेटाबेस शामिल हैं ङ्क जो असंगठित श्रमिकों की दुनिया की सबसे बड़ी आधार-सत्यापित रजिस्ट्री है। केंद्रीय मंत्री ने मॉरीशस को प्रतिभा खोज और सहयोग के लिए इन प्लेटफार्मों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक के दौरान सामाजिक सुरक्षा कवरेज को 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़ाकर 2025 में 64.3 प्रतिशत करने की भारत की उपलब्धि की भी सराहना की गई।

डॉ.मांडविया ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की कार्यकारी सचिव सुश्री अर्मिदा सालसियाह अलिसजबाना के साथ द्विपक्षीय बैठक में एक संस्थापक सदस्य के रूप में ईएससीएपी के साथ भारत के दीर्घकालिक जुड़ाव को रेखांकित करते हुए आपदा प्रबंधन, कौशल पहचान और डिजिटल कल्याण वितरण में क्षेत्रीय सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री महोदय ने पिछले एक दशक में डिजिटल शासन सुधारों, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणालियों और बड़े पैमाने पर सामाजिक क्षेत्र में निवेश के बल पर 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में भारत द्वारा की गई मजबूत प्रगति को रेखांकित किया। ईएससीएपी ने सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल शासन के क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की। भारत ने हरित, डिजिटल और देखभाल अर्थव्यवस्था क्षेत्रों के लिए सीमा-पार कौशल मानकों पर ईएससीएपी के साथ तकनीकी सहयोग को और गहरा करने की इच्छा व्यक्त की।

पूरे दिन भारत की गतिविधियों ने द्विपक्षीय साझेदारियों को और मज़बूत किया, यूएनईएससीएपी के साथ सहयोग बढ़ाया और वैश्विक स्तर पर डिजिटल सामाजिक सुरक्षा, कौशल और समावेशी श्रम बाज़ारों पर भारत के नेतृत्व की भूमिका को और मज़बूत किया।

पृष्ठभूमि: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने प्रस्ताव 78/261 और 78/318 के माध्यम से 2025 में ÷सामाजिक विकास के लिए द्वितीय विश्व शिखर सम्मेलन÷ शीर्षक के अंतर्गत ÷विश्व सामाजिक शिखर सम्मेलन÷ आयोजित करने का निर्णय लिया। राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों के स्तर पर आयोजित इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक विकास पर कोपेनहेगन घोषणापत्र और कार्य योजना तथा उसके कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करना और 2030 के एजेंडे के कार्यान्वयन को गति प्रदान करना है। यह शिखर सम्मेलन 4-6 नवंबर तक दोहा कतर में आयोजित किया जा रहा है। सामाजिक विकास के लिए द्वितीय विश्व शिखर सम्मेलन में उच्च-स्तरीय गोलमेज सम्मेलन एक खुले, बहु-हितधारक आदान-प्रदान का रूप लेता है। यह वैश्विक प्रणालीगत रुझानों और कोपेनहेगन घोषणा की तीन प्रमुख प्रतिबद्धताओं पर उनके प्रभावों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक विकास की प्रगति को गति देने वाली एकीकृत कार्रवाइयों के लिए प्राथमिकताओं की पहचान करने का प्रयास करता है।

एमएसडीई ने स्वच्छता बढ़ाने और लंबित मामले घटाने के लिए विशेष अभियान 5.0 में भाग लिया

पीआईबी

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने अपने संबद्ध/स्वायत्त और अधीनस्थ संगठनों के साथ मिलकर विशेष अभियान 5.0 के मुख्य चरण में सक्रिय रूप से भाग लिया है। 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता में प्रभावशाली, केंद्रित और महत्वपूर्ण सुधार लाना तथा कार्यालय से जुड़े लंबित मामलों में कमी लाना है।

देश भर में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत सभी संबद्ध/स्वायत्त और अधीनस्थ कार्यालयों ने बड़े उत्साह से इसमें भाग लिया। विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने संसद सदस्यों से मिले संदर्भों, लोक शिकायत एवं लोक शिकायत संबंधी अपीलों से संबंधित लंबित मामलों की संख्या घटाने पर विशेष ध्यान दिया। इसके अंतर्गत, सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर जागरूकता और अभियान के समर्थन, एक्स और फेसबुक जैसे अन्य मंचों पर कई ट्वीट और पोस्ट के साथ #SpecialCampaignz ने सभी को बहुत आकर्षित किया। इसके अंतर्गत, 31 अक्टूबर 2025 तक 1836 से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। इसके अतिरिक्त सांसदों के तीन संदर्भों, 7 संसदीय आश्वासनों, 307 लोक शिकायतों और लोक शिकायत से संबंधित 27 अपीलों का निपटारा किया गया।

मंत्रालय और उसके संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारियों को अभिलेख प्रबंधन की आवश्यकता के प्रति जागरूक करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के साथ मिलकर कार्यशाला भी आयोजित की गई। अभिलेख प्रबंधन के अंतर्गत 1250 फाइलों की समीक्षा की गई और 466 फाइलों को हटाया गया। 658 ई-फाइलों की समीक्षा की गई जिनमें से 266 फाइलों को बंद कर दिया गया। फाइलों को हटाने और कबाड़ के निपटान से लगभग 4,000 वर्ग फुट जगह खाली हुई। कबाड़ सामग्री के निपटान से 7,58,000 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

विशेष अभियान 5.0 ने कार्यालयों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण की समग्र आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद की। एमएसडीई ने इसके प्रारंभिक चरण के दौरान निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है।

भारत में कृषि शिक्षा एवं प्रशिक्षण

पीआईबी

कृषि भारत की करीब आधी आबादी की आजीविका का मुख्य साधन है और सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान लगभग 18 प्रतिशत है। उच्च शिक्षा, अनुसंधान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के जरिये मानव क्षमता निर्माण उत्पादकता बढ़ाने, लागत कम करने और राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि शिक्षा, अनुसंधान और शिक्षा संबंधी विस्तार को इस क्षेत्र का प्रमुख स्तंभ माना जाता है जो 5 प्रतिशत कृषि विकास दर के लक्ष्य को बनाए रखने और ÷विकसित कृषि और समृद्ध किसान÷ के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक संस्थागत और वैज्ञानिक आधार तैयार करते हैं। यही ÷विकसित भारत÷ का मूल दर्शन है। इस दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए, इन तीनों स्तंभों को ÷एक राष्ट्र - एक कृषि - एक टीम÷ के मार्गदर्शक सिद्धांत के तहत तालमेल से काम करना होगा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए सर्वोच्च निकायः भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), जिसकी स्थापना 1929 में (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन) हुई थी। यह कृषि अनुसंधान और उच्च शिक्षा के समन्वय हेतु भारत का प्रमुख संगठन है। यह कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों का मार्गदर्शन करने के लिए उत्तरदायी है।

राष्ट्रव्यापी नेटवर्कः आईसीएआर एक बड़े तंत्र को संभालता है जिसके अंतर्गत 113 राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (विस्तृत सूची यहां https//icar.org.in/institutes पर देखी जा सकती है) और भारत भर के 74 कृषि विश्वविद्यालय आते हैं। इस वजह से ये दुनिया के सबसे बड़े कृषि अनुसंधान नेटवर्कों में से एक है। इसने हरित क्रांति का नेतृत्व किया और जलवायु-अनुकूल, उच्च उपज वाली किस्मों और कृषि प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी बना हुआ है।

शिक्षा संबंधी विस्तार और गुणवत्ताः आईसीएआर अपने प्रभागों के माध्यम से किसानों को तकनीक हस्तांतरित करने के लिए 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) का प्रबंधन करता है। यह 'आईसीएआर मॉडल अधिनियम (संशोधित 2023)' और 'कृषि महाविद्यालयों की स्थापना के लिए न्यूनतम आवश्यकताएं' जारी करके शैक्षणिक मानक भी निर्धारित करता है और राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड के माध्यम से संस्थानों को मान्यता प्रदान करता है।

सार्वजनिक और निजी संस्थान

सरकारी विश्वविद्यालय और संस्थानः भारत में 63 राज्य कृषि विश्वविद्यालय (एसएयू),तीन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (सीएयू) (पूसा, इम्फाल, झांसी), चार ÷मानद÷ विश्वविद्यालय (आईएआरआई-दिल्ली, एनडीआरआई-करनाल, आईवीआरआई-इज्जतनगर, सीआईएफई-मुंबई) और कृषि संकाय वाले चार केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। आईसीएआर नेटवर्क में 11 एटीएआरआई (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान) केंद्र भी शामिल हैं। **निजी क्षेत्रः** कृषि शिक्षा राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती है। इन राज्यों की निजी संस्थानों की स्थापना और प्रोत्साहन के लिए अपनी नीतियां हैं। आईसीएआर की भूमिका अनुरोध पर मान्यता प्रदान करने तक सीमित है। पिछले पांच वर्षों में, आईसीएआर द्वारा मान्यता प्राप्त निजी कृषि महाविद्यालयों की संख्या 2020-21 में 5 से बढ़कर 2024-25 तक 22 हो गई है।

मानवीय संवेदना के साथ आकांक्षी क्षेत्रों में विकास कार्य करें – राज्यपाल श्री रमेन डेका

राज्यपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर के आकांक्षी विकासखण्डों की समीक्षा बैठक ली

रायपुर, लोकशक्ति। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के आकांक्षी विकासखण्डों में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मानवीय संवेदना के साथ आकांक्षी क्षेत्र में तेजी से समन्वित विकास के लिए निर्देशित किया है।

बैठक में राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की दिशा में विशेष पहल करें और इसमें तेजी से प्रगति लायें। टीबी उन्मूलन के कार्य को गति देने, स्कूलों से ड्राप आउट बच्चों पर विशेष ध्यान देने, आजीविका के लिए स्व सहायता समूहों को मजबूत करने और उन्हें रोजगार कार्यों से जोड़ने के लिए कहा गया है। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, आकांक्षी जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने बस्तर जिले के तोकापाल, बीजापुर जिले के उसूर, दंतेवाड़ा जिले के कुवाकोंडा, कोण्डागांव जिले के माकड़ी, नारायपुर जिले के ओरछा, सुकमा जिले के कोंटा और कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा एवं दुर्गकोंदल आकांक्षी विकासखण्डों में किए जा रहे समन्वित विकास कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। राज्यपाल ने इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और इसके लिए जनजागरूकता की दिशा में प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने रेडक्रॉस सोसायटी में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने और इसका सक्रिय उपयोग लेने कहा है। बच्चों के सुपोषण, पशु टीकाकरण पर ध्यान देने कहा गया है। स्कूलों में बच्चों के आंख एवं कान की नियमित जांच करने पर जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत दूरस्थ क्षेत्रों में तेजी से आवास के निर्माण के लिए सामाग्री का भंडारण समन्वय के साथ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है। अधिकारियों को दिसंबर माह तक कार्य में प्रगति लाकर एक्शन टेकन रिपोर्ट देने कहा गया है।

उप-राष्ट्रपति राजनंदगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में होंगे शामिल

पीआईबी।

भारत के उप-राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन 4-5 नवम्बर, 2025 को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। यह पदभार ग्रहण करने के बाद उनका राज्य का पहला दौरा होगा। इस दौरान वह नवा रायपुर और राजनंदगांव में आयोजित कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित रजत महोत्सव समारोह भी शामिल है। केरल और तमिलनाडु के दौरे के बाद उपराष्ट्रपति आज शाम रायपुर पहुंचेंगे। 5 नवम्बर, 2025 को श्री सी. पी. राधाकृष्णन को रायपुर स्थित राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद वह सेंध झील, नवा रायपुर में भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम (एस.के.ए.टी.) द्वारा पेश किए जाने वाले एयर शो का अवलोकन करेंगे। 1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम अपनी सटीक उड़ान और शानदार हवाई प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध है। उप-राष्ट्रपति 5 नवम्बर, 2025 को राजनंदगांव में उदयाचल मल्टी-स्पेशियलिटी आई केयर इंस्टीट्यूट का उद्घाटन भी करेंगे। इसके बाद श्री सी. पी. राधाकृष्णन राजनंदगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

बघेरा में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन – महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत बघेरा में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राजीव गांधी सेवा केंद्र, बाजार चौक बघेरा में उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, जनपद सदस्य मोहनीश धनकर तथा ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती ऐश्वर्या हरीश देशमुख के करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई।

महिलाओं की रही सराहनीय भूमिका

रक्तदान शिविर में महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। ग्राम की पार्वती साहू, पूर्णिमा आडील, आरती साहू, देवकी गौतम एवं दीप्ति साहू ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज में प्रेरणा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

ग्राम संगठन बघेरा की कोषाध्यक्ष दीप्ति साहू ने बताया कि उन्होंने दूसरी बार रक्तदान किया है – पहली बार विवाह से पूर्व रक्तदान किया था। वहीं ग्राम बघेरा के द्वारिका साहू ने पहली बार रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।

अतिथियों के प्रेरक उद्बोधन

जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला सिन्हा ने कहा –

÷रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। आज बघेरा जैसे गांव में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी देखकर गर्व होता है। यह शिविर समाज में जागरूकता और एकता का प्रतीक है।÷

जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने कहा –

÷छत्तीसगढ़ राज्य का यह 25वां स्थापना दिवस हमें सेवा, सहयोग और संवेदना का संदेश देता है। रक्तदान जैसे कार्यों से समाज में जीवन बचाने की संस्कृति मजबूत होती है।÷

जनपद सदस्य मोहनीश धनकर ने कहा –

÷रक्त की एक बूंद किसी की जिंदगी बचा सकती है। ग्रामीण अंचल के युवाओं का यह उत्साह प्रेरणादायक है। आने वाले समय में यह शिविर हर वर्ष आयोजित किया जाएगा।÷

सरपंच श्रीमती ऐश्वर्या हरीश देशमुख ने कहा –

÷ग्राम पंचायत के लिए यह गर्व का विषय है कि बघेरा जैसे छोटे से गांव में इतनी बड़ी जनभागीदारी के साथ रक्तदान शिविर सफल हुआ। महिलाओं ने जिस तरह आगे आकर योगदान दिया है, वह गांव की प्रगति और बदलती सोच का परिचायक है।÷

असम से आए भाजपा नेताओं ने मां बमलेश्वरी देवी दर्शन कर जताई प्रसन्नता,देश प्रदेश की खुशहाली की कामना

राजनादगांव; डोंगरगढ देश प्रदेश में विख्यात छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धर्म स्थल मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर जहां पर वर्ष में दो बार नवरात्रि का भव्य आयोजन किया जाता है इस नगरी में देश विदेश व भारत के अन्य प्रांतों से भी देवी दर्शन करने लोग पहुंचते है आज छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेकह से सौजन्य भेट करने राजभवन पहुंचते थे उनसे भेंटवार्ता करने के पश्चात असम प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता तरुण साहू भी अपने साथियों के मां बम्लेश्वरी देवी जी के दर्शन हेतु डोंगरगढ़ पहुंचे सर्व प्रथम उन्होंने उपर पहाड़ों वाली माता जी का विधिविधान से पूजा अर्चना किए तत्पश्चात छोटी माता जी के दर्शन लाभ लिए उन्होंने देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की ।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे प्रशिक्षण में हुए शामिल

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हेलमेट यातायात जन जागरूकता का विशेष अभियान

जांजगीर चांपा / आज जिले की थाना जांजगीर, बलौदा, सारागांव, मुलमुला एवं चौकी पंतोरा क्षेत्र के साप्ताहिक बाजारों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम दिनांक को थाना चौकी क्षेत्रांतर्गत के साप्ताहिक बाजारों में किया गया। इसी कड़ी में आज दिनांक को थाना बलौदा पुलिस द्वारा बलौदा में, थाना जांजगीर पुलिस द्वारा ग्राम सुकली में, पंतोरा के साप्ताहिक बाजार, कुटीघाट बाजार, सारागांव पुलिस द्वारा ग्राम देवरी के साप्ताहिक बाजार में यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यातायात जागरूकता का उद्देश्य - यातायात जागरूकता का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना, लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना और सड़कों पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना है। यह जागरूकता यातायात नियमों के पालन, लापरवाही से ड्राइविंग के खतरों और सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालती है। इसका प्राथमिक उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों और चोटों को कम करना है। साथ ही यह सुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता व्यवहार को प्रोत्साहित करता है, जिसमें सीट बेल्ट लगाना, हेलमेट पहनना, गति सीमा का पालन करना और नशे में गाड़ी न चलाना शामिल है।

राज्योत्सव 2025 लोकगायक सुनील सोनी की प्रस्तुति से गूंज उठा राज्योत्सव मंच

जांजगीर-चांपा /

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर जिला मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोकगायक श्री सुनील सोनी ने अपनी सुरीली आवाज़ और जोशपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लोकगायक श्री सोनी ने एक के बाद एक लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति दी, जिन पर दर्शक देर तक थिरकते रहे। उनके सुरों की लय, वाद्य यंत्रों की संगति और मंचीय ऊर्जा ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

राज्योत्सव मंच पर शालेय छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और लोकनृत्य ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, लोकजीवन और परंपराओं को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सजीव रूप में प्रदर्शित किया, जिसे देखकर दर्शक उत्साह से झूम उठे।

कार्यक्रम स्थल पर विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, पूर्व नेताप्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तम्बोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लायंस क्लब जांजगीर-नैला द्वारा.....

नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य एवं बाल विकास शिविर का आयोजन 9 नवम्बर को.....

जांजगीर चांपा संवाददाता

लायंस क्लब जांजगीर-नैला द्वारा समाज सेवा की निरंतर परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दिनांक 9 नवम्बर, दिन रविवार को नैला धर्मशाला में एक नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य एवं बाल विकास शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर जी.के. मनोचिकित्सा एवं पुनर्वास केंद्र, जशपुर तथा जी.के. आंतरिक विकास स्टूडियो, रायपुर के सहयोग से आयोजित होगा। इस शिविर में मानसिक असामान्यता, विलंबित विकास, व्यवहारिक समस्याएँ, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं वयस्कों के लिए नि:शुल्क परामर्श, मूल्यांकन एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में जी.के. संस्थान की विशेषज्ञ टीम उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का मूल्यांकन करेगी एवं आवश्यक थेरेपी एवं पुनर्वास के उपायों की जानकारी देगी। लायंस क्लब जांजगीर-नैला के अध्यक्ष लायन राजेश पालीवाल ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास से जुड़ी सेवाएँ पहुँचाना है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की। क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

भाजपा का सदभावना 7 मार्च को

जांजगीर चांपा / भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे देश भर में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है । इसी क्रम में सदभावना मार्च का आयोजन किया जा रहा है । सदभावना मार्च जांजगीर चांपा की सांसद कमलेश जांगड़े जी के नेतृत्व में आयोजन 7 मार्च को सुबह 9 बजे से अटल परिसर राहौद से आरंभ होकर मुख्यमार्ग से धरदेई, लोहर्सी, खरौद,सत्संग भवन शिवरीनारायण में समापन कार्यक्रम होगा । इस पैदल मार्च में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ राज्य खनिज आयोग के अध्यक्ष सौरभ सिंह ,पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जी,भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े उपस्थित रहेंगे।भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के समस्त कार्यकर्ताओं को अधिक अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र कौशिक (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) ,सह संयोजक मुकेश जायसवाल भाजयूमो जिलाध्यक्ष एवं सनत देवांगन ने की है ।

को वा दरिद्रो यत् तृष्णा विशाल :- सियाराम शरण दास जी महाराज

पयः पानः भुजंगानां केवलं विष वर्धनं

संवाददाता

संगीतमय श्री राम कथा एवं विराट संत सम्मेलन कार्यक्रम श्री दूधाधारी मठ सत्संग भवन रायपुर में तृतीय दिवस श्रोताओं को श्री राम कथा का रसपान करते हुए व्यास पीठ की आसंदी से श्री अवधपुरी धाम उत्तर प्रदेश से पधारे हुए अनंतश्री विभूषित श्री स्वामी सियाराम शरण दास जी महाराज ने कहा कि - *धर्मात्मा को आज भी लोग धर्मात्मा ही कहते हैं और पापात्मा को पापात्मा ही* भला व्यक्ति हमेशा भलाई ही करता है बुरा व्यक्ति बुराई। - *भलो भलाइहि पै लहइ,लहइ नीचाइहि नीचु। सुधा सराहिअ अमरतां। गरल सराहिअ मीचु।। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य माता-पिता और देवताओं की बात को नहीं मानता, साधु - संतों से सेवा करवाता है, संसार में वही निशाचर है। ऐसे आचरण वाले को ही राक्षस माना गया है। - मानहिं मातु पिता नहीं देवा।

साधुन्ह सन करवावहीं सेवा। जाके अस आचरण भवानी। ते जानेहु निसिचर सब प्राणी।। संसार में दरिद्र कौन है, *को वा दरिद्रो ? यत् तृष्णा विशालः ! अर्थात संसार में वही दरिद्र है जिनके तृष्णा विशाल हैं। देवताओं ने पूछा *भगवान कहां मिलेंगे ? किसी ने कहा वे बैकुंठ वासी हैं, किसी ने अयोध्या, किसी ने चित्रकूट को और किसी ने वृंदावन का नाम सुझाया।

आपकी सच्ची श्रद्धा, सत्य निष्ठा हो तो बालाजी सरकार के दरबार श्री दूधाधारी मठ रायपुर में श्री राम मिलेंगे ! भगवान शंकर जी ने कहा है - *हरि व्यापक सर्वत्र समाना प्रेम ते प्रकट होहिं मैं जाना।।* मूर्खों या अज्ञानियों को कभी भी उपदेश नहीं करना चाहिए। *पयःपानं भुजंगानां केवलं विष वर्धनं।* दानवता का विनाश मानवता से ही हो सकता है।

मानवता श्री राम जैसा हो जो वानर और रीछ को भी भगवान के कार्य में लगा दे। *हमें ईश्वर को नहीं ढूंढना है ! गुरु को ढूंढना है हरि की कृपा से गुरु भी मिलेंगे, गुरु मिल गए तो युगल सरकार भी मिलेंगे* गुरु नारद के जैसा हो - *नारद श्राप दिन्ह इकबारा।* नारद के श्राप से ही एक बार भगवान को जन्म लेना पड़ा यदि वरदान देते तो न जाने क्या हो जाता है ?

सेवा में भगवान है, तपस्या और ब्रह्मचर्य से परमात्मा की प्राप्ति होती है। प्रत्येक दिवस की तरह महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज मुख्य अजमान के रूप में कथा श्रवण करने के लिए मंच पर विराजित थे। इनके अतिरिक्त कथा श्रवण करने के लिए प्रयागराज से श्री राम शिरोमणि दास जी महाराज, काशी से राम तिलक दास जी एवं तीर्थाटन के लिए आए हुए महात्मा गण तथा रीवा मध्य प्रदेश से राघव जी, अयोध्या प्रसाद त्रिवेदी, विजय पाली,रामकृष्ण पाली, राजेश अग्रवाल, मंगल विनोद अग्रवाल, अजय तिवारी, महेंद्र अग्रवाल, तोय निधि वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

सामान्य सभा की बैठक कल

जांजगीर-चांपा / जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक 6 नवम्बर 2025 को समय दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में विभिन्न एजेण्डा पर चर्चा की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने कहा है।

नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

25 नवम्बर तक किए जा सकते है आवेदन

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के प्रावधानों के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर (तहसील अकलतरा एवं बलौदा) ने विकासखंड अकलतरा के ग्राम कोटमीसोनार एवं नगर पंचायत नरियरा के वार्ड क्रमांक 01 व 13 के नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान आबंटन के लिए 25 नवम्बर तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर (तहसील अकलतरा एवं बलौदा) ने बताया कि विकासखंड अकलतरा के ग्राम कोटमीसोनार एवं नगर पंचायत नरियरा के समस्त स्व सहायता समूह, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, सेवा सहकारी समिति आदि से शासकीय उचित मूल्य दुकान प्राप्त करने हेतु इच्छुक संस्था, समूह से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ-साथ संलग्न के रूप में समूह का पंजीयन प्रमाण पत्र, वर्तमान माह से विगत एक वर्ष खाता स्टेटमेंट की छायाप्रति के साथ 25 नवम्बर 2025 को शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी रा अकलतरा में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

शहर में सफाई नहीं है तो भुगतान की फाइल आगे कैसे बढ़ जाती है.. ये गंभीर विषय

सफाई व्यवस्था सुधारने जिम्मेदार अधिकारी सतर्कता से करें मॉनिटरिंग, अन्यथा जवाबदेही तय कर सीधे कार्यवाही होगी - महापौर

लोकशक्ति।

रायपुर - नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था राजधानी शहर के अनुरूप सुधारने के संबंध में बैठक लेकर सख्त निर्देश दिये है। महापौर ने निर्देशित किया है कि सफाई नही तो भुगतान नहीं । महापौर ने सभी सफाई ठेकेदारो को दो-टूक कहा है कि शहर की सफाई का ठेका लिये हो तो शहर को साफरखें अन्यथा भुगतान नहीं होगा।

महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर सहित अपर आयुक्त श्री पंकज के शर्मा, श्री विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में वार्डो में अनुबंधित सफाई ठेकेदारो की बैठक लेकर रायपुर शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था को सुधारने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये।

महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को ठेका सफाई कार्यो की सतत निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग अच्छी तरह करते हुए सफाई व्यवस्था सुधारना प्राथमिकता बनाकर सुनिश्चित करने के कडे निर्देश दिये है। सफाई कार्य में लापरवाही व हीला हवाला मिलने पर जवाबदेही तय कर सीधे संबंधित जोन स्वास्थ्य अधिकारी पर नियमानुसार कडी अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की चेतावनी दी है। महापौर ने अपर आयुक्त वित्त को सफाई कार्य के भौतिक सत्यापन के पश्चात ही सफाई ठेकेदारो के देयको का भुगतान हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही करने निर्देशित किया है। महापौर ने शहर की व्यवस्था सुधारने सफाई नही तो भुगतान नहीं की नीति पर कार्य कडाई से करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। महापौर ने कहा कि रायपुर शहर की सफाई राजधानी शहर के अनुरूप होनी चाहिए एवं इसमें जनअपेक्षित सुधार परिलक्षित होना चाहिए। सफाई कार्य में लापरवाही पाये जाने पर जवाबदेही तय कर संबंधित पर नियमानुसार कडी कार्यवाही की जाये।

जिले में तेजी से फल फुल रहा अवैध महुआ शराब का व्यवसाय

आबकारी विभाग की कार्यवाही नही के बराबर

जांजगीर चांपा /

जिले की गांव गांव में अवैध महुआ शराब का व्यवसाय दिन ब दिन फल फुल रहा है जिसके कारण सस्ती दर से महुआ शराब पीने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। यहां बताना लाजमी होगा कि शासकीय शराब दुकान जिले की सभी गांवो में न होकर सीमित स्थानों में ही है जिससे उसकी पहुंच गांव गांव तक नही है । दूसरी तरफ शासकीय शराब दुकानों में देशी शराब व अंग्रेजी शराब महुआ शराब के अपेक्षा महंगे दर में मिलता है जिसके कारण सस्ते दर पर महुआ शराब पीने वाले लगातार बढ़ रहे हैं । इसका परिणाम यह हो रहा है कि पहले जो महुआ महज आदिवासी गांवो व सबरिया समुदाय के निवासरत गांवों तक ही सीमित था , वह अब सभी गांवो तक पहुंचने लगा है ।

इस मामले में गौर करने वाली बात यह है कि अवैध शराब की रोकथाम के लिए शासन के पास सभी जिलों में आबकारी विभाग स्थापित है किंतु जांजगीर चांपा जिले में आबकारी विभाग की कार्य महज शासकीय शराब को बेचने तक ही सीमित नजर आ रहा है जिसके कारण गांव गांव में अवैध महुआ शराब की बिक्री परिवहन लगातार बढ़ते कदम की ओर सुनने को मिल रहा है। बहरहाल आबकारी विभाग की यही रवैया रहा तो जहां जहां गांव गांव में देशी विदेशी शराबों की कोचिया सक्रिय होने की जो खबर मिलता था , उसका स्थान अवैध महुआ शराब की कोचिए के रूप में आयेगा ।

खास खबर

एचटीपीएस के विद्युतकर्मियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

कोरबा सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के सभी वृत्त कार्यालयों में ''राष्ट्रीय एकता'' की शपथ ली गई। विद्युत संयंत्र के तकनीकी भवन में मुख्य अभियंता श्री पीके. श्रीवास्तव की उपस्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शपथ ली गई। शपथ में यह दोहराया गया कि ''मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने भी भरसक प्रयत्न करूंगा।''

गौरतलब है कि देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को रेखांकित करने के लिए ही उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल अपनी कर्मठता और दृढ़ इच्छाशक्ति से लौहपुरुष माने जाते हैं। उन्होंने देश में स्वतंत्रता के बाद के मुश्किल हालातों में अपनी सूझबूझ और फैलादी इरादों से 562 रियासतों का भारत में विलय कराया। इस तरह उन्होंने अखंड भारत का निर्माण किया।

हाइवा ने खड़ी बाइक को रौंदा- बाइक फंसी हाइवा के अंदर

कोरबा, । बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अरदा मोड़ के पास ग्राम कसरेंगा जाने वाली मार्ग पर एक किसान थानसिंह कंवर ढपढप निवासी अपने निजी कार्य के लिए गया हुआ था स अरदा मोड़ कसरेंगा जाने वाली रास्ते पर किसान थानसिंग अपनी मोटर साईकिल को खड़ा कर मछली लेने के लिए रुका हुआ था, तभी एक हाइवा ने उसे अपनी चपेट पर ले लिया, जिससे मोटर साईकिल पूरी तरह हाईवे के नीचे फंस गई। जानकारी के अनुसार कसरेंगा जाने वाली मार्ग पर भारी वाहन प्रवेश निषेध के बावजूद अधिकतम वजन 12 टन वाहनों के लिए प्रवेश दिया जा रहा हैं, फिर भीं हैवी वाहनों का आना-जाना लगा रहता है स ग्रामीणों में हैवी वाहनों के अवगमन से रोष देखने को मिल रहा है स फिलहाल कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई हैं परंतु कभी भी बड़ी अनहोनी घटित हो सकती हैं।

अंडर-17 ताइक्वांडो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल

कोरबा, । कर्मा तेजस्वी खेल विकास संगठन गेवरा समिति के तत्वावधान में अंडर-17 ताइक्वांडो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाडियों ने अपना कौशल दिखाया और दर्शकों को प्रभावित किया। खिलाडियों ने प्रतियोगिता में अपने-अपने वर्ग में प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्धंयियों को पछाड़ा। कार्यक्रम के अंत में विजेता खिलाडियों को गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल तथा प्रमाण पत्र दिये गये। प्रतिभागी बच्चों में तनु साहू दृ गोल्ड (39 किलो),अनवेशा सिंह- सिल्वर (39 किलो), हिमान्या झा-गोल्ड (62 किलो), लावण्या-सिल्वर (45 किलो), माही सुना-गोल्ड (35 किलो) (सिंगल),चित्रांश-गोल्ड (42 किलो) (सिंगल),योगेश-गोल्ड (73 किलो) (सिंगल) पुरस्कृत कर मेडल पहनाया गया। मुख्य अतिथि सुशील तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

अदाणी फाउंडेशन की प्रोजेक्ट उड़ान के तहत सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने देखा केपीएल संयंत्र का संचालन

कोरबा जिले के 250 से अधिक विद्यार्थियों और 155 प्राचार्यों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत बिजली उत्पादन की आधुनिक तकनीक को करीब से जाना,

आने वाले महीनों में कुल 7000 विद्यार्थियों का है लक्ष्य

कोरबा लोकशक्ति।

शासकीय स्कूलों के उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं को उद्यमशीलता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से अदाणी समूह ने कोरबा जिले में उड़ान परियोजना की शुरुआत की है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार से शुक्रवार तक कुल 250 विद्यार्थियों ने ग्राम पताड़ी स्थित कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपीएल) में भ्रमण किया। अदाणी फाउंडेशन की इस उड़ान परियोजना में जिले के सभी पाँच ब्लाकों के 170 से अधिक स्कूलों के लगभग 7000 विद्यार्थियों को कोरबा पॉवर लिमिटेड में शैक्षणिक भ्रमण कराने का लक्ष्य है।

दरअसल समूह के चेयरमैन श्री गौतम अदाणी का कहना है, कि छात्रों और युवाओं को ष्बड़े सपने देखनेष् और अपनी क्षमता पर विश्वास करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। जिसे अमल में लाने हेतु अदाणी फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट उड़ान के तहत् समूह द्वारा क्षेत्र में स्थापित परियोजनाओं में शैक्षिक भ्रमण आयोजित करके भारतीय युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की अनुपम पहल कर रहा है। जिससे उन्हें बड़े सपने देखने, उद्यमशीलता की भावना विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले सफल व्यक्ति बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर व्यावसायिक संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और छात्रों को अपनी क्षमता को समझने में मदद करना है।

कोरबा जिले में उड़ान पहल के पहले चरण की शुरुआत सितंबर माह से की गई। जिसमें जिला प्रशासन के सहयोग से कुल 170 स्कूलों के करीब 155 प्राचार्यों व शिक्षकों को अदाणी समूह के बरपाली तहसील में स्थित केपीएल में भ्रमण कराया गया।

जबकि द्वितीय चरण में स्कूलों के विद्यार्थियों को शामिल किया। जिसमें गत सोमवार से आज शनिवार तक कोरबा ब्लॉक के दो तथा पोड़ीउपरोड़ा व पाली ब्लॉक एक-एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने शिरकत की। इस दौरान उन्हें बिजली उत्पादन से संबंधित सभी जानकारियों को संयंत्र के वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा सुरक्षात्मक तरीके से उपलब्ध कराई गई । इसके अलावा बिजली उत्पादन में उपयोग की जाने वाली मशीनों तथा सामग्रियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम मरकाम, सुश्री प्रीति खैरवार, श्री एसके नायक, पीएम श्री सेज स्कूल, तिलकेजा के प्राचार्य श्री एमआर श्रीवास, कोरबा पॉवर लिमिटेड के चीफबिजनेस ऑफिसर श्री समीर कुमार मित्रा एवं श्री सी वी के प्रसाद ने सोमवार को दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौक़े पर अदाणी फाउंडेशन कोरबा के प्रबंधक श्री ताजेंद्र बंजारे, पवन महतो, उड़ान प्रोजेक्ट के इंचार्ज श्री विवेक शर्मा, प्रेमशंकर साहू सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

भ्रमण के दौरान प्राचार्य श्री एमआर श्रीवास ने कहा कि, ष्अदाणी फाउंडेशन की यह उड़ान परियोजना एक सराहनीय पहल है। हम सभी ने आज यहाँ आकर बिजली उत्पादन के सभी तकनीकों के बारे में जानकारी हासिल की है। इससे हम सभी काफी उत्साहित हैं।ष

वहीं भ्रमण में आई छात्रा संस्कृति रात्रे ने बताया, ष्आज हम सभी ने आकर केपीएल संयंत्र को इतने करीब से देखा। यह हमारे लिए बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। बिजली उत्पादन में उपयोग में आने वाली कच्चे सामग्रियों के बारे में जानकारी भी मिली जो की हमें उद्योगों के लिए एक सार्थक सोच के लिए प्रेरित करती है।

हम सभी को कोरबा पॉवर के बिजली संयंत्र को इतने पास से देखने का मौका मिला है। यहाँ आकर हमें बहुत सी जानकारी मिली है। इसके लिए अदानी फाउंडेशन टीम का आभार है।ष् स्कूल के छात्र आदित्य कवर ने कहा ।

अवैध धर्मांतरण पर हाईकोर्ट की सख्ती : ग्राम सभाओं द्वारा पादरियों के प्रवेश पर रोक को सही ठहराया

बिलासपुर (संवाददाता)।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अवैध धर्मांतरण को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि बल, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण संविधान द्वारा दी गई धार्मिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग है। अदालत ने कहा कि ऐसे धर्मांतरण से जनजातीय समाज में गहरे सामाजिक विभाजन पैदा होते हैं और उनकी पारंपरिक सांस्कृतिक पहचान खतरे में पड़ जाती है।

यह फैसला कांकेर जिले के भानुप्रतापुर क्षेत्र के ग्राम घोटिया से जुड़े मामले में आया है, जहां ग्रामसभा ने गांव में ईसाई पादरियों और धर्मांतरित व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई थी। इस निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

÷धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ जबरन धर्मांतरण नहीं÷ - मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा, ÷संविधान सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता देता है, लेकिन इस स्वतंत्रता का उपयोग प्रलोभन, बल या धोखे से करना गंभीर चिंता का विषय है।÷ अदालत ने कहा कि जब आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को शिक्षा, इलाज या बेहतर जीवन के वादे पर धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया जाता है, तो यह सेवा नहीं बल्कि धार्मिक विस्तार का माध्यम बन जाता है।

ग्रामसभा का अधिकार संवैधानिक

राज्य सरकार की ओर से पेश लॉ अधिकारियों ने पेसा अधिनियम, 1996 का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों की ग्रामसभाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत और पहचान की रक्षा का अधिकार है। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए कहा कि ग्रामसभा एक संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त संस्था है, और अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए लगाए गए चेतावनी होर्डिंग असंवैधानिक नहीं माने जा सकते।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के रेव. स्टेनिसलॉस बनाम मध्यप्रदेश राज्य (1977) मामले का हवाला देते हुए कहा कि जबरन या प्रलोभन द्वारा धर्मांतरण को रोकने वाले कानून पूरी तरह से संवैधानिक रूप से वैध हैं।

याचिकाकर्ता को वैकल्पिक उपाय की छूट कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे ग्रामसभा के निर्णय से असंतुष्ट हैं, तो वे पेसा नियमों के तहत उपलब्ध वैकल्पिक उपायों का सहारा ले सकते हैं। साथ ही, यदि उन्हें जीवन या स्वतंत्रता के लिए कोई खतरा महसूस होता है, तो वे पुलिस से सुरक्षा की मांग कर सकते हैं।

अदालत की टिप्पणी अदालत ने अपने आदेश में कहा, ÷अवैध धर्मांतरण की प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है। यदि इसे नहीं रोका गया, तो यह सामाजिक संकट और सांस्कृतिक असंतुलन का कारण बन सकता है।÷ हाई कोर्ट ने अंततः जनजातीय हितों की रक्षा के लिए ग्राम सभाओं के निर्णय को उचित ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी।

अग्रसेन महाराज के ऊपर अमर्यादित टिप्पणी करने वाला अमित बघेल के खिलाफ अग्रवाल सभा दर्री ने पुलिस थाना दर्री में सौंपा ज्ञापन

कोरबा संवाददाता

विगत दिनों जोहार छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा श्री अग्रसेन महाराज,वरुण देव,डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पंडित दिन दयाल उपाध्याय जी को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की थी,जिससे पूरे प्रदेश में अग्रवाल समाज और सिंधी समाज में काफी आक्रोश है और अमित बघेल के खिलाफ पुलिस थाना में ज्ञापन सौंप कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की जा रही है। इसी कड़ी में अग्रवाल सभा दर्री,जमनीपाली, जेलगांव के अग्रवाल बंधुओं ने दर्री थाना में ज्ञापन सौंप कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। अग्रवाल समाज द्वारा दिए गए ज्ञापन में लिखा गया है कि गत दिनों जोहार छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा श्री अग्रसेन महाराज को लेकर विवादित बयान से प्रदेश भर में अग्रवाल और सिंधी समाज में गहरी नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है। इन टिप्पणियों से न केवल अग्रवाल समाज बल्कि पूरे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई है। अमित बघेल का यह टिप्पणी धार्मिक अराजकता फैलाने और आपसी भाईचारा को समाप्त करने का मानसिकता जान पड़ता है। हमारे वंशज भगवान श्री अग्रसेन महाराज भगवान श्री राम के 35 वीं पीढ़ी के वंशज है।

ज्ञापन में लिखा गया है कि इससे पहले भी जैन संतो के खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं जिस पर उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। अमित बघेल ऐसे ही धार्मिक और सामाजिक विवादित बयान देकर सुर्खियों में बने रहने का चाह रखते हैं। हमारे अग्रज भगवान श्री अग्रसेन जी पर अमर्यादित व अपमानजनक टिप्पणी बर्दास्त नहीं की जाएगी।

पीड़िया और बड़मान में हाथियों ने जमाया डेरा

कोरबा, पड़ोसी रायगढ़ जिले के छाल रेंज से पहुंचे 38 हाथियों के दल ने कोरबा वन मण्डल के कुदमुरा रेंज में पीडिया व बड़मार जंगल में अपना डेरा डाल दिया है। हाथियों का दल यहां दिन भर जंगल में विश्राम करने के बाद सायं होते ही सक्रिय होता है और ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की फसल को रौंदने के साथ तहस-नहस कर रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हाथियों के दल ने बीती रात फिर खेतों में पहुंचकर दोनों ही स्थानों पर 24 से अधिक ग्रामीणों के खेतों में लगे धान की फसल को मटियामेट कर दिया। पीडित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिये जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और हाथियों द्वारा किये गये नुकसानी का आकंलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की।

निराश्रित पशुओं के बेहतर प्रबंधन पर विचार-विमर्श

7 ग्रामों में गौधाम स्थापित करने भेजा गया प्रस्ताव

हर ब्लॉक में 10-10 गौधाम बनाने लिए जा रहे आवेदन

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ प्रदेश के निराश्रित, घुमन्तू तथा कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम अंतर्गत जब्त किए गए गौवंश पशुओं के संरक्षण, संवर्धन एवं विस्थापन हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गौधाम योजना स्वीकृत की गयी है। जिसके पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय गौधाम समिति में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त किये गये अध्यक्ष एवं सदस्यों के परिचयात्मक एवं जिले में गौधाम योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में गौधाम समिति की बैठक मंथन सभाकक्ष कलेक्टोरेट में आयोजित की गयी।

जिला स्तरीय गौधाम समिति बिलासपुर में धीरेन्द्र दुबे को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में इतवारी धीवर, रामकृष्ण साहू, हरिशंकर यादव, नितिन पैकरा एवं रमाकांत पाण्डेय नियुक्त किये गये है। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय समिति के अंतर्गत मस्तूरी के अध्यक्ष पूणेन्द्र शर्मा बाबा, तखतपुर में सोमनाथ पटेल, कोटा में मनोज कुमार यादव एवं बिल्हा में रितिक प्रजापति तथा प्रत्येक विकासखंड समिति में पांच सदस्य नियुक्त किये गये है। इनके साथ ही जिला स्तरीय समिति में जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व आयुक्त नगर निगम पदेन सदस्य तथा उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं सदस्य सचिव बनाये गये हैं। बैठक में सर्वप्रथम संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें बिलासपुर द्वारा नव नियुक्त जिला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र दुबे एवं राजेश सूर्यवंशी अध्यक्ष जिला पंचायत बिलासपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसके पश्चात बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले में प्रति विकासखंड राष्ट्रीय राज्यमार्ग के समीपस्थ 10 गोठानों का चयन गौधाम हेतु प्रस्तावित किया गया है, जिनमें से गोठानों के नाम परिवर्तन तथा आवश्यकतानुसार नये गोठानों का नाम संशोधन समिति की अनुशंसा के आधार पर किया जा सकता है।

खरीफ2025 की समीक्षा एवं रवि 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त ने ली बैठक

ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में कमी लाकर दलहन, तिलहन एवं मक्का फसलों के क्षेत्र विस्तार के दिए निर्देश

कोरबा (संवाददाता)।

कृषि व्यवस्था को अधिक सुदृढ बनाने तथा आगामी फसल सीजन की तैयारी के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार की अध्यक्षता में आज कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खरीफ वर्ष 2025 के प्रगति तथा रबी वर्ष 2025-26 कार्यक्रम निर्धारण हेतु बिलासपुर संभाग के अधिकारियों को समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

एपीसी बैठक में खरीफ2025 में धान के रकबे में कमी एवं फसल विविधीकरण, रबी 2024-25 की तुलना में क्षेत्राच्छादन में वृद्धि तथा रबी / ग्रीष्म (जायद) अल्पकालीन फसल ऋण वितरण में वृद्धि की रणनीति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत अपात्र एफआरए एवं पीवीटीजी कृषक तथा अन्य संदिग्ध प्रकरण का समय सीमा में सत्यापन तथा समय सीमा में एग्रीस्टेक अंतर्गत पंजीयन की कार्ययोजना, रबी 2026-27 की संभावित बीज मांग के दृष्टिगत रबी 2025-26 में फसलवार बीज उत्पादन कार्यक्रम की कार्ययोजना, ऑयल पॉम के क्षेत्र विस्तार की कार्ययोजना, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत सामान्य बीज वितरण एवं प्रदर्शन में प्रयुक्त होने वाले बीजों की फसलवार, योजनावार दर तथा इनके वितरण में ''साथी पोर्टल'' के अनुप्रयोग इत्यादि महत्वपूर्ण बिदुंओ पर चर्चा की गई।

खरीफ वर्ष 2025 की समीक्षा:- कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती निगार ने एपीसी बैठक में संभाग से उपस्थित समस्त जिले के कलेक्टर को शासन की मंशानुरूप खरीफ 2025 के अंतर्गत धान के रकबे में कमी लाने, फसल विविधीकरण, दलहन तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही बीज, उर्वरक एवं ऋण वितरण की प्रगति पर भी चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त ने शासन की प्रथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अमला योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के अद्यतन स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग करें। उन्होंने किसानों को धान के अतिरिक्त दलहन तिलहन व अन्य फसलों के लिए प्रोत्साहित करने व शासन की सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध उपलब्ध कराये जाने की बात कही। उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसानों की शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए कहा। साथ ही पोर्टल में जल्द से जल्द किसानो के पंजीयन गैप को नग्णय करने की दिशा में सभी अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। बिलासपुर संभाग के केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तिय प्रगति, मिट्टी परीक्षण, बीजों के वास्तविक मांग, रबी फसल हेतु ज्यादा से ज्यादा कृषको को प्रेरित करें व केसीसी लोन सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय स्तर पर फसलों की उपज बढ़ाने की दिशा में कार्य करने हेतु दिशा निर्देश दिये गये।

रबी 2025-26 के लिए कार्ययोजना :-

रवि 2025-26 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में कमी लाकर दलहन, तिलहन एवं मक्का फसलों के क्षेत्र विस्तार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत उड़द, अरहर, मूंग, चना, मसूर, सोयाबीन, मूंगफली एवं सरसों के उपार्जन से कृषकों को लाभान्वित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना :-

बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के लिए पंजीकृत किसानों का एग्री-स्टैक अंतर्गत पंजीयन अनिवार्य बताया गया। सभी जिलों को शेष लाभार्थियों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने तथा संदिग्ध प्रकरणों का सत्यापन समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बीज उत्पादन एवं तिलहन विस्तार:-

बैठक में जिलेवार बीज उत्पादन की समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष की बीज मांग को ध्यान में रखते हुए रवि 2025-26 में बीज उत्पादन कार्यक्रम को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। तेल पाम के क्षेत्र विस्तार पर भारत सरकार के विशेष जोर से सभी जिलों को प्राथमिकता से कार्य करने और अंतरवर्तीय फसल लेने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में पशुधन विकास विभाग के योजनाओं की समीक्षा करते हुए पशु उपचार, पशु स्वास्थ्य रक्षा, पशुरोगों के विरुद्ध संपादित टीकाकरण, बधियाकरण, नमूना जांच, राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम सहित अन्य विभागीय योजनाओं में लक्ष्यानुसार प्रगति लाने के निर्देश सम्भागीय पशुपालन अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी कलेक्टरों को योजनाओं के प्रगति में निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही सभी योजनाओं की प्रगति का भारत पशु धन पोर्टल में जानकारी प्रविष्टि का कार्य भी समय पर पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने गौधाम योजना अंतर्गत गौठान चयन कार्य को भी जल्द से जल्द पूर्ण कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क दुर्घटना में मवेशियों के होने वालों मृत्यु को नियंत्रित करने हेतु भी प्रभावी कदम उठाने के लिए कहा। इस हेतु अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थानों में अन्यत्र स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बैठक में मत्स्य विभाग, उद्यानिकी, बीज विकास निगम विभागों के संबंधित केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं व उनके क्रियान्वयन पर क्रमवार चर्चा करते हुए योजनाओं में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए।

राज्य अलंकरण एवं 'रजत महोत्सव' समापन समारोह 2025

5 नवंबर 2025 | सायं 4 बजे
राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
मान. प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि

श्री सी.पी. राधाकृष्णन
मान. उपराष्ट्रपति

अध्यक्ष

श्री रमेन डेका
मान. राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री तोखन साहू
मान. केन्द्रीय राज्यमंत्री

श्री अरुण साव
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. रमन सिंह
मान. अध्यक्ष, विधानसभा छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री लखन लाल देवांगन
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री राजेश अग्रवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री बृजमोहन अग्रवाल
सांसद, रायपुर

श्री मोती लाल साहू
विधायक

श्री दयाल दास बघेल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री टंकराम वर्मा
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गुरू खुशवंत साहेब
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री राजेश मूणत
विधायक

श्री अनुज शर्मा
विधायक

श्री इंद्र कुमार साहू
विधायक

श्री केदार कश्यप
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री ओ.पी. चौधरी
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गजेन्द्र यादव
मंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. चरणदास महंत
नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़

श्री पुरन्दर मिश्रा
विधायक

श्री सुनील सोनी
विधायक

एवं

समस्त सांसद, विधायक, निगम मंडल, आयोग, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यगण, महापौर रायपुर एवं सरपंच की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं।

सूर्यकिरण एयरोबेटिक शो
प्रातः 10:00 बजे | सेंध जलाशय, नवा रायपुर अटल नगर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

लखपति दीदी सम्मेलन
दोपहर 02:00 बजे
स्टेट स्कूल ग्राउंड, राजनांदगांव

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

ro-45791/64

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)